मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 148
बूधवार, 10 दिसंबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## ओडिशा में तनाव : आदिवासी भीड़ ने जलाए बांग्लादेशियों के 150 घर, इंटरनेट बंद, फोर्स तैनात

ओडिशा, 9 दिसंबर। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में सोमवार तड़के बड़ी हिंसा भड़क गई, जब हथियारबंद आदिवासी भीड़ ने बांग्लादेशी मूल के लोगों के एमवी-26 गांव पर हमला कर दिया और करीब 150 घरों को आग के हवाले कर दिया। यह हमला एक लापता आदिवासी महिला लेक पदियामी (51) का सिर कटा शव मिलने के बाद हुआ। महिला का शव पास के राखलगुडा गांव में नदी किनारे मिला था, जिसके बाद स्थानीय आदिवासी समुदाय में भारी आक्रोश फैल गया।

घटना के बाद जिला प्रशासन ने इलाके में धारा 144 लागू कर दी और शाम 6 बजे से पूरे जिले में 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएँ निलंबित कर दी हैं। प्रशासन ने संभावित प्रतिक्रियाओं को रोकने के लिए पुलिस की 8 प्लाटून और बीएसएफ की दो प्लाटून तैनात की हैं। मलकानगिरी पुलिस ने इलाके में फ्लैग मार्च भी किया। DIG (दक्षिण-पश्चिमी) कंवर विशाल सिंह, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सोमेश कुमार उपाध्याय और एसपी विनोद पाटिल ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दोनों समूहों के साथ बैठक की। पुलिस ने एमवी-26 गांव में हमले के मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि कई लोग फरार बताए जा रहे हैं।

आदिवासी संगठनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और महिला के कटे सिर की तलाश करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एमवी-26 गांव के सुका रंजन मंडल ने संपत्ति विवाद के चलते महिला की हत्या की। इसके बाद हजारों की भीड़ हथियारों के साथ एमवी-25 इलाके में जमा हो गई, जिससे हालात और बिगड़ गए।

हिंसक भीड़ ने एमवी-26 और राखलगुडा गांव में तोड़फोड़ की और घरों व घास के ढेर में आग लगा दी। इससे दोनों समुदायों के बीच तनाव और बढ़ गया। जिले में हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं, लेकिन पुलिस का दावा है कि व्यवस्था नियंत्रण में है। एसपी विनोद पाटिल ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है।

## पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की शर्मनाक करतूत, महिला रिपोर्टर को मारी आंख

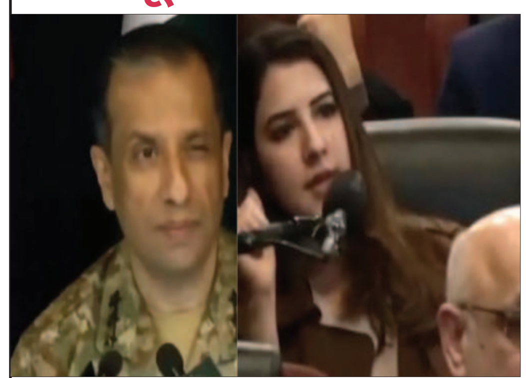

नई दिल्ली। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (क्रढफ) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की शर्मनाक करतूत सामने आई है। महिला पत्रकार अबसा कोमन ने जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में सवाल किया था तो जनरल अहमद ने उन्हें आंख मारी। इसके बाद उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेस ब्रीफिंग के वीडियो में पत्रकार खान पर लगे आरोपों के बारे में उनसे सवाल पूछती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, यह पहले से कैसे अलग है, या क्या हमें भविष्य में किसी डेवलपमेंट की उम्मीद करनी चाहिए? चौधरी ने जवाब देते हुए कहा, ₹और एक चौथा पॉइंट और जोड़ लीजिए: वह एक जेहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी है। फिर वह मुस्कुराए और पत्रकार को आंख मारी। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, ₹यह सब कैमरे के सामने खुलेआम हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया है। पीएम एक कठपुतली हैं।₹ जबकि दूसरे ने लिखा, ₹एक देश का मीम। शुक्रवार को चौधरी ने खान को ₹नार्सिसिस्ट₹ कहा, जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं तो और कुछ भी नहीं होना चाहिए।₹ हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। चौधरी ने कहा कि जो लोग जेल में खान से मिल रहे हैं, उनका इस्तेमाल ₹सेना के खिलाफ जहर फैलाने₹ के लिए किया जा रहा है। चौधरी ने खान पर सेना के प्रति दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ₹हम किसी को भी पाकिस्तान की सेना और उसके लोगों के बीच दरार पैदा नहीं करने देंगे।

## होटल में जहरीला खाना खाने से 3 कर्मचारियों की मौत, 5 की हालत अब भी नाजुक

छतरपुर, 9 दिसंबर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो स्थित एक होटल में कथित तौर पर विषाक्त भोजन खाने से तीन कर्मचारियों की इलाज के दौरान ग्वालियर में मौत हो गई, जबकि पांच अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन कर्मचारियों की हालत गंभीर है, उनमें तीन शासकीय मेडिकल कॉलेज की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में और दो वेंटीलेटर पर हैं और इनकी हालत में फिलहाल कोई सुधार नहीं हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय गौतम रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद आठ कर्मचारी सोमवार रात बीमार हो गए थे, जिन्हें पहले खजुराहो के शासकीय अस्पताल और फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ तो उन्हें ग्वालियर स्थित मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। छतरपुर जिला प्रशासन ने एक बयान में तीन कर्मचारियों की मौत की पुष्टि की है और मृतकों के परिजनों के लिए तत्काल 20-20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि की मंजूरी दी है। बयान के अनुसार, मृतकों की पहचान प्रागीलाल कुशवाहा, गिरिजा रजक और रामस्वरूप कुशवाहा के रूप में की गई है। प्रशासन ने घटना सामने आने के बाद कथित विषाक्त भोजन को जांच के लिए भेज दिया है। छतरपुर जिला अस्पताल के डॉ. रोशन द्विवेदी ने बताया कि खजुराहो से विषाक्त भोजन के सेवन से बीमार हुए आठ लोगों को सोमवार रात यहां भर्ती कराया गया था। सिविल सर्जन शरद चौरसिया ने बताया कि मरीजों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया।

## दुल्हन ने चार दिन तक दबा कर रखी सुहागरात की सच्चाई, मायके पहुंच कर खोला राज

गोरखपुर, 9 दिसंबर। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के सहजनवा क्षेत्र में एक विवाह विवाद ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। शादी के कुछ ही दिनों बाद नवविवाहिता ने अपने पति के शारीरिक रूप से अक्षम होने का आरोप लगाया, जिसके बाद दोनों परिवारों के बीच लगातार तनातनी बनी हुई है। मामला अब पंचायत से होते हुए पुलिस तक पहुंच गया है, हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तहरीर नहीं दी है। जानकारी के अनुसार, सहजनवा निवासी युवक का विवाह पिछले महीने बेलीपार थाना क्षेत्र की एक युवती से हुआ था। विवाह की सभी रस्में पूरे उत्साह के साथ सम्पन्न हुईं और दुल्हन ससुराल पहुंची। लेकिन सुहागरात के दौरान दुल्हन को अपने पति की शारीरिक अक्षमता का पता चल गया। हालांकि उसने यह बात उसी समय उजागर नहीं की। दुल्हन ने चार दिन तक इस मसले को छुपाए रखा, क्योंकि उसके भाई की भी शादी तय थी और उसे मायके जाना जरूरी था। मायके पहुंचते ही उसने बात की जानकारी अपने परिवार वालों को दी, जिससे पूरे परिवार में सदमा फैल गया। हालांकि भाई की शादी निपटने तक उन्होंने भी मामला शांत रखा। शादी के बाद जब दुल्हन के परिजन युवक के परिवार से मिलने पहुंचे और मुद्दा उठाया तो दोनों पक्षों के बीच पंचायत बैठनी शुरू हुई। एक हफ्ते से चल रही बातचीत में दुल्हन पक्ष तलाक पर अड़ा हुआ है, जबकि दूल्हे का परिवार तलाक देने को तैयार नहीं है। दुल्हन पक्ष ने मौखिक रूप से पुलिस से तलाक में हस्तक्षेप की मांग की है। उधर, दूल्हा और उसके परिवार के पुरुष सदस्य घर से गायब बताए जा रहे हैं। सहजनवा पुलिस का कहना है कि अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

## भारतीय वायुसेना हेलीकॉप्टरों ने श्रीलंका में 264 लोगों की जान बचाई, मिली भावुक विदाई

नई दिल्ली, 10 दिसंबर। चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में राहत कार्य पूरा कर चुके भारतीय वायुसेना के दो हेलिकॉप्टर को इस देश की वायु सेना ने विदाई दी और इस बीच, आईएनएस घड़ियाल तमिलनाडु से 700 टन आवश्यक राहत सामग्री लेकर त्रिंकोमाली पहुंच गया है। सोमवार को भारत के लिए रवाना हुए भारतीय वायुसेना के इन हेलिकॉप्टर ने चक्रवात ह्यदित्वा' और प्रतिकूल मौसम के कारण प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्रीलंका की वायु सेना ने कहा कि इन हेलीकॉप्टर के योगदान से श्रीलंका की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया में काफी मदद हुई।

भारतीय उच्चायोग ने बताया कि इन हेलीकॉप्टर की मदद से 264 लोगों को बचाया और लगभग 50 टन राहत सामग्री पहुंचाई। इस बीच, भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस घड़ियाल सोमवार को तमिलनाडु से 700 टन खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तुएं और कपड़े लेकर त्रिंकोमाली पहुंचा। ह्यऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारत ने अब तक श्रीलंका को लगभग 1,000 टन आवश्यक खाद्य पदार्थ और कपड़े भेजे हैं। इसके अलावा, कैंडी के पास स्थापित भारतीय क्षेत्रीय अस्पताल बाढ़ प्रभावित समुदायों को उपचार प्रदान कर रहा है।

भारतीय सेना का इंजीनियरिंग कार्य बल भी सड़क संपर्क बहाल करने में श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रतिकूल मौसम के कारण 16 नवंबर से जारी विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन में मंगलवार सुबह नौ बजे तक 638 लोगों की मौत हो चुकी है और 191 लोग लापता हैं। यूएनडीपी के अनुसार, चक्रवात ह्यदित्वा' से अनुमानित 23 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

## टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर ऑलआउट हुआ दक्षिण अफ्रीका, इस टीम के खिलाफ भारत की तीसरी बड़ी जीत

कटक, 9 दिसंबर । हार्दिक पांड्या के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कटक में खेले गए पहले टी20 मैच में 101 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इस तरह बड़ी जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दक्षिण अफ्रीका टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हो गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम का यह सबसे छोटे प्रारूप में न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले उसका न्यूनतम स्कोर 87 रन था जो 2022 में उसने भारत के खिलाफ ही बनाया था। दक्षिण अफ्रीका को छठी बार टी20 में 100+ रनों से हार का सामना करना पड़ा है जिसमें से तीन बार उसे भारत के खिलाफ 100+ रनों से हार मिली है। भारत की यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रनों के लिहाज से तीसरी बड़ी जीत है। भारत ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका को 2024 में 135 रनों से और 2023 में 106 रनों से हराया है। दक्षिण अफ्रीका भारत के खिलाफ टी20 में सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली चौथी टीम बनी। भारत के खिलाफ यूएई की टीम इस साल 57 रन पर ऑलआउट हुई थी, जबकि 2023 में न्यूजीलैंड की टीम 66 रन पर ऑलउट हुई थी। भारत ने आयरलैंड को 2018 में 70 रन पर ऑलआउट किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद नियमित रूप से विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि उसके सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक का आंकड़ा छू सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए, जबकि कप्तान एडेन मार्करम ने 14, ट्रिस्टन स्टब्स ने 14 और मार्को यानसेन ने 12 रन बनाए।

## 'हर दिन 200 से ज्यादा उड़ानें कम करे इंडिगो, कई दिनों की अफरा-तफरी के बाद केंद्र का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली,9 दिसंबर। एक हफ्ते तक देश के विमानन सेक्टर में भारी उथल-पुथल मचाने के बाद इंडिगो ने मंगलवार को दावा किया है कि उड़ानों की स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो चुकी है। सरकार ने भी माना है कि स्थिति तेजी से सुधरी है लेकिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय को इस बात का भरोसा नहीं है कि देश की सबसे बड़ी यह विमानन कंपनी सर्दियों के व्यस्त मौसम में अपने वादे के मुताबिक उड़ानें संचालित कर सकेगी। लिहाजा नियामक एजेंसी डीजीसीए ने विंटर 2025 सीजन (अक्टूबर, 2024 से मार्च, 2025) की सूची से इंडिगो की उड़ानों में 10 फीसद की कटौती करने का फैसला किया है। उल्लेखनीय बात यह है कि डीजीसीए ने यह फैसला इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स की नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के साथ मुलाकात के बाद लिया गया। एल्बर्स को मंत्रालय ने सम्मन किया था।यह कदम एयरलाइन की ऑपरेशनल क्षमता को लेकर सरकार के स्तर पर बढ़ रही चिंता को बताता है। दरअसल, सोमवार को देर शाम नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक नोटिस जारी विंटर सीजन के दौरान इंडिगो की उड़ानों में पांच फीसद की कटौती की घोषणा की थी। इसे बढ़ा कर 10 फीसद करने का मतलब हुआ कि इस सीजन में इंडिगो हर हफ्ते तकरीबन 1500 उड़ानें पूर्व घोषणा के मुताबिक नहीं चला सकेंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के डाटा के मुताबिक इस बार सर्दियों के सीजन में इंडिगो की तरफ से हर हफ्ते 15,014 उड़ानों की तैयारी की थी। मंत्रालय के अनुसार, यह कटौती ऑपरेशन को स्थिर करने और रद्दीकरण रोकने के लिए जरूरी है। कटौती मुख्य रूप से उन रूटों में की गई हैं जहां सबसे ज्यादा मांग और जो सबसे ज्यादा व्यस्त रहती हैं। जहां इंडिगो अकेली उड़ान भरती है, वहां प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जाएगी।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो के समग्र रूट नेटवर्क में 10 प्रतिशत की कटौती को जरूरी माना है। उड्डयन मंत्री नायडू ने एक्स पर लिखा है कि, इंडिगो के आंतरिक क्रू रोस्टच्रग, शेड्यूल मैनेजमेंट और कम्युनिकेशन में खामियों से यात्रियों को भारी परेशानी हुई। जांच जारी है और जरूरी कार्रवाई होगी। हम इंडिगो के कुल रूट्स को 10त्न कम करने का आदेश दे रहे हैं।" मंत्रालय का मानना है कि इससे एयरलाइन का परिचालन स्थिर होगा और उड़ानों के रद्द होने की संख्या में काफी कमी आएगी।

# बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोचाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। ल्लगजवा हिंदद्ब के प्रलापों के प्रतिकार में ल्लभगवा हिंदद्ब का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि ल्लयह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगीद्ब बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि ल्लराम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगाद्ब एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परंतु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाजें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रकृति बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलमानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिजन एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज हुमायूं कबीर बनाम बाबरी विवाद नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और यही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

# लोकसभा में अखिलेश का मोदी-योगी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

-संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेता अखिलेश यादव ने आज 09 दिसंबर को लोकसभा में अपना भाषण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था का स्वरूप खो चुका है और सत्ताधारी दल के इशारों पर नाच रहा है। विशेष वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे विपक्षी दलों के समर्थकों के वोट कटने की साजिश रची जा रही है। अखिलेश ने स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की थी, उन क्षेत्रों में पांच हजार से अधिक वोट जानबूझकर डिलीट करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि यह लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है और जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। भाषण की शुरूआत में ही अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष से अपील की कि सदन का माहौल शांत रखा जाए ताकि उनकी बात सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन के नाम पर सत्ताधारी दल विपक्ष को कमजोर करने का कुचक्र चला रहा है। बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में यह प्रक्रिया तेज हो गई है और मुस्लिम, दलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े वर्गों के इलाकों में मतदान केंद्र अधिकारी घर-घर जाकर वोटरों के नाम मिटाने का काम कर रहे हैं। अखिलेश ने उदाहरण देते हुए बताया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह की चालाकी से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की राह में रोड़ा अटकाया गया था। उन्होंने दावा किया कि अब 2027 के चुनाव से पहले यही सिलसिला दोहराया जा रहा है, जिससे डेढ़ से दो करोड़ वोट प्रभावित हो सकते हैं।

भाषण के दौरान अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार घुसपैठियों को पकड़ने के नाम पर डिटेंशन सेंटर बना रही है, लेकिन असल में यह अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथकंडा है। अखिलेश ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर घुसपैठिए इतने खतरनाक हैं तो इन्हें पकड़ने के बजाय क्यों निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी घुसपैठ के खिलाफ है, लेकिन निदोर्षों को सताने का विरोध करेगी। योगी सरकार के डिटेंशन सेंटरों को अखिलेश ने अमानवीय बताया और कहा कि इससे प्रदेश की शांति भंग होगी। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपील की कि इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाएं।

अखिलेश ने चुनाव आयोग की कमियों को गिनाते हुए कहा कि आयोग ने बिना किसी तैयारी के स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन शुरू कर दिया। मतदान केंद्र अधिकारियों पर इतना दबाव बनाया गया कि गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कई ने आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आयोग से मांग की कि इस प्रक्रिया को स्थगित कर समय बढ़ाया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। भाषण में अखिलेश ने सत्ताधारी दल पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर पहुंच गई है। भाजपा भविष्य की बातें करती है, लेकिन वर्तमान में जनता की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। अखिलेश ने चार सौ चौदह दिनों में उत्तर प्रदेश चुनाव होने की बात कही और दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस साजिश का डटकर मुकाबला करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों से एकता की अपील की और कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबको साथ आना होगा।

अखिलेश के भाषण के बीच में सत्ताधारी दल के सदस्यों ने हंगामा किया, लेकिन अखिलेश ने शांत स्वर में अपनी बात जारी रखी। उन्होंने कहा कि सच्चाई से सरकार डर रही है, इसलिए हंगामा कर रही है। अखिलेश ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा कि अगर पहले साथ देते तो आज यह मांग न करनी पड़ती। भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। अखिलेश ने सेना की बहादुरी की तारीफ की, लेकिन सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलवामा जैसी घटनाओं में खुफिया तंत्र की नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा। सीजफायर का फैसला किस दबाव में हुआ, इसका जवाब सरकार दे। अखिलेश ने आर्थिक नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रही मार को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। रक्षा बजट को सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत करना चाहिए और इसे गैर-लंचेपदह बनाना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए कहा कि देश को अपनी रक्षा सामग्री खुद बनाने पर जोर देना होगा।

भाषण के अंत में अखिलेश ने सुझाव दिए कि पाकिस्तान और आतंकवाद पर दस-पंद्रह वर्षीय रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने चीन सीमा विवाद का जिक्र किया और सरकार से इंफ्रास्ट्रक्चर पर स्पष्टता मांगी। अखिलेश का यह भाषण करीब पैंतालीस मिनट चला और सदन में जोरदार प्रतिक्रिया पैदा की। विपक्ष ने तालियां बजाईं तो सत्ताधारी दल ने विरोध जताया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवाब में कई बातें कहीं। अखिलेश के भाषण ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता इसे चुनावी हथियार के रूप में देख रहे हैं। अखिलेश ने साबित कर दिया कि वे मुद्दों पर सीधी बात कहने से पीछे नहीं हटते। चुनाव आयोग पर आरोपों ने विपक्ष को मजबूत एकजुटता का संदेश दिया। डिटेंशन सेंटरों पर टिप्पणी से योगी सरकार पर दबाव बढ़ गया। अखिलेश का यह आक्रामक रुख 2027 के चुनावों की दिशा तय कर सकता है। उन्होंने जनता से अपील की कि सच्चाई के साथ रहें और साजिशों को नाकाम करें। भाषण ने राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा छेड़ दी है। मीडिया चैनलों पर इसे प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी का आधार मजबूत करने में यह भाषण मील का पत्थर साबित होगा। अखिलेश ने सिद्ध किया कि वे न केवल कुशल वक्ता हैं बल्कि मुद्दों के जानकार भी।

# भारत रूस सामरिक समझौते का वैश्विक प्रभाव

संजीव ठाकुर

वैश्विक सामरिक परिदृश्य के निरंतर बदलते समीकरणों और विश्व राजनीति में शक्ति-संतुलन की तीव्र प्रतिस्पर्धा के बीच भारत-रूस सुरक्षा सहयोग आज एक ऐसी निर्णायक अवस्था में पहुँच गया है, जिसने न केवल दोनों देशों के संबंधों को नए आयाम दिए हैं, बल्कि विश्व व्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव डालने की क्षमता प्रदर्शित की है। जब दुनिया दो बड़े ध्रुवों अमेरिका-यूरोप-नाटो समूह और चीन-रूस शक्ति-धुरी के बीच विभाजित होती दिखाई दे रही है, तब भारत की स्वतंत्र रणनीतिक नीति और रूस के साथ उसकी निरंतर मजबूत हो रही साझेदारी वैश्विक स्तर पर चिंता, उत्सुकता और नए सामरिक विश्लेषण का विषय बन गई है। भारत-रूस रक्षा-सहयोग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि दशकों पुरानी है, जिसमें सोवियत संघ के काल से लेकर आज तक रूस भारत का भरोसेमंद सैन्य सहयोगी रहा है।

2000 में दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की और 2010 में इसे विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिला। इस संबंध के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र को सदैव अत्यधिक प्राथमिकता प्राप्त रही भारत की वायुसेना, नौसेना और थलसेना के कई अहम प्लेटफॉर्म रूस के सहयोग से खड़े हुए, जिनमें टी-90 टैंक, सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, कामोव हेलीकॉप्टर, रक्षाझ्इंजन और ब्रह्मोस मिसाइल जैसी परियोजनाएँ प्रमुख उदाहरण हैं। समय के साथ-साथ दोनों देशों ने यह महसूस किया कि केवल हथियारों की खरीद-फरोख्त भविष्य की सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त नहीं होगी, इसलिए 2021 से 2031 तक का सैन्य-तकनीकी सहयोग कार्यक्रम लागू किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में सह-अनुसंधान, सह-विकास और सह-उत्पादन को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और वैश्विक निर्यात क्षमता का विकास करना था।

इसी कड़ी में भारत-रूस के बीच नया सुरक्षा-समझौता फ्र्छडर रिसिप्रोकल एक्सचेंज का लॉजिस्टिक्स सपोर्ट सामने आया, जिसने दोनों देशों की सैन्य पहुंच, नौसैनिक संचालन क्षमता और रणनीतिक लॉजिस्टिक दक्षता को एक नए स्तर पर स्थापित किया। फ्र्छडर के तहत दोनों देशों की सेनाएँ एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, हवाई अड्डों, समुद्री बंदरगाहों, मरम्मत सुविधाओं, ईंधन-आपूर्ति, स्पेयर-पार्ट्स और अन्य लॉजिस्टिक संरचनाओं का उपयोग कर सकती हैं। इसका सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि भारत के लिए अब अपनी सैन्य ताकत को हिंद महासागर क्षेत्र तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं रही, बल्कि वह आर्कटिक क्षेत्र, बाल्टिक समुद्र, सुदूर-पूर्व रूस तथा मध्य-एशिया के सामरिक गलियारों में भी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सकेगा। वहीं रूस के लिए भारतीय नौसैनिक अड्डे, हिंद महासागर और अरब सागर के क्षेत्र में सामरिक पहुंच प्रदान करेंगे, जिससे एशिया-प्रशांत की शक्ति संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन संभव है। यही कारण है कि यह समझौता अमेरिका, नाटो और चीन के रणनीतिक विश्लेषकों के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि यह वैश्विक शक्ति समीकरणों में एक तीसरे और स्वतंत्र ध्रुव के गठन की संभावना को सुदृढ़ करता है। भारत का यह संदेश स्पष्ट है कि वह किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार स्वतंत्र निर्णय लेने और बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चीन के संदर्भ में देखा जाए तो भारत-रूस सहयोग समुद्री सुरक्षा, आर्कटिक मार्ग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन स्थापित कर सकता है। यदि भारत रूसी आइस-ब्रेकर जहाजों, आर्कटिक अनुसंधान केंद्रों और उत्तरी समुद्री मार्ग का उपयोग करता है, तो यह चीन की बेल्ट-एंड-रोड और समुद्री विस्तार योजनाओं के लिए चुनौती बन सकता है।

संयुक्त रूप से निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली दोनों देशों की रणनीतिक नवाचार क्षमता का जीवंत उदाहरण है और भविष्य में ब्रह्मोस-क्क् लड़ाकू विमान इंजन कार्यक्रम, अक्क्-सबमरीन टेक्नोलॉजी और स्पेस-डिफेंस प्लेटफॉर्म जैसी परियोजनाएँ वैश्विक हथियार बाजार में भारत-रूस को एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर सकती है’ त्रि-सेवा सैन्य अभ्यासों की बढ़ती श्रृंखला यह संकेत देती है कि दोनों देशों का सहयोग केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि प्रशिक्षण, रणनीति और संयुक्त सैन्य क्रियान्वयन के स्तर पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यद्यपि भविष्य की राह पूरी तरह सरल नहीं रूस की युद्ध-स्थिति के कारण रक्षा-आपूर्ति में देरी की चुनौती, भारत का पश्चिमी देशों के साथ रक्षा-सहयोग बढ़ाना और संसाधनों का विविधीकरण भारत-रूस संबंधों की व्यावहारिक परीक्षा लेंगे फिर भी फ्र्छडर जैसे समझौते यह सिद्ध करते हैं कि दोनों देशों के संबंध केवल परिस्थितिजन्य या तात्कालिक नहीं, बल्कि भरोसे, समान हितों और लंबी रणनीतिक दृष्टि पर आधारित हैं। यह समझौता इस तथ्य का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक मंच पर केवल दर्शक की भूमिका में नहीं, बल्कि रणनीतिक निर्णयों के निमार्ता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निमार्ता के रूप में उभर चुका है। इसलिए भारत-रूस सुरक्षा-समझौता केवल दो देशों की द्विपक्षीय मित्रता का दस्तावेज नहीं, बल्कि ग्लोबल स्ट्रैटेजिक आर्किटेक्चर के पुनर्निर्माण की दिशा में उठाया गया इतिहास-निर्माणकारी कदम है। यह समझौता निस्संदेह आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति-संतुलन, सैन्य गठबंधनों, समुद्री-रणनीति, हथियार-प्रौद्योगिकी और भू-राजनीतिक नेतृत्व को नए स्वरूप में ढालने की क्षमता रखता है और संभव है कि भविष्य में इतिहासकार इसे 21वीं सदी की भू-रणनीति का महत्वपूर्ण टर्निंग पॉइंट बनेगा।

# भीड़भाड़ वाले प्रतिष्ठानों में सुरक्षा संकट, भ्रष्टाचार की मिलीभगत की संरचनात्मक भूमिका?

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत तेजी से शहरी विकास,बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनसंख्या की बढ़ती आर्थिक भागीदारी के दौर से गुजर रहा है,जिसके परिणामस्वरूप देश के लगभग 780 जिलों में विशाल संख्या में मॉल,मल्टी-स्टोरी बिल्डिंगें, होटल, रेस्टोरेंट,नाइट क्लब, सिनेमाहॉल,सुपर बाजार, कोचिंग संस्थान, स्कूल, कॉलेज और मनोरंजन केंद्रों का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। इन स्थानों पर प्रतिदिन हजारों-लाखों नागरिक आते हैं, जो आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। लेकिन इसी विकास की यात्रा के भीतर एक गंभीर प्रश्न भी मौजूद है,भ्रष्टाचार,गैर-जवाबदेही, फायर-सेफ्टी की अनदेखी और प्रशासनिक निरीक्षण की कमी, जो कई बार बड़े हादसों का कारण बन जाती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हाल ही में गोवा के नाइट क्लब में लगी भयंकर आग, जिसमें 25 लोगों की मृत्यु हुई, इस समस्या का चरम उदाहरण है।इस हादसे ने यह उजागर कर दिया कि देश के अनेक जिलों में बड़ी संख्या में ऐसे व्यावसायिक प्रतिष्ठान सक्रिय हैं, जिनके पास न तो वैध फायर-सेफ्टी प्रमाणपत्र हैं,न बिल्डिंग बायलॉज की स्वीकृति, न ही नगर परिषद/महानगर पालिका/राज्य सरकार द्वारा जारी आवश्यक लाइसेंस। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं है,बल्कि भ्रष्टाचार की गहरी जड़ों, लाइसेंसों की अवैध खरीद- फरोख्त,और निरीक्षण एजेंसियों की मिलीभगत का दुष्परिणाम है। जिस प्रकार गोवा के नाइट क्लब को बिना उचित सुरक्षा प्रोटोकॉल के चलने दिया गया,उसी प्रकार देश के विविध हिस्सों में भीड़भाड़ वाले संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन आम हो चुका है, जिसे रोकने के लिए अब कलेक्टर-स्तर पर स्वतः संज्ञान आधारित निरीक्षण व्यवस्था लागू करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है।

साथियों बात अगर हम भीड़भाड़ वाले प्रतिष्ठानों में सुरक्षा संकट और भ्रष्टाचार की संरचनात्मक भूमिका को समझने की करें तो, भारत में एक ओर जहांआधुनिक मॉल, कैफे, मल्टीप्लेक्स और मनोरंजन केंद्र शहरों की पहचान बन रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा स्थिति भयावह रूप से कमजोर पाई जाती है।कई जिलों में यह पाया गया है कि(1) फायर-सेफ्टी ऑडिट वर्षों तक नहीं हुए,(2) आपातकालीन निकास अवरुद्ध हैं,(3)फायर-अलार्म और स्प्रिंकलर कार्यरत नहीं (4) बिल्डिंग बायलॉज का पालन न्यूनतम,(5)ओवरलोडेड इलेक्ट्रिकल वायरिंग,(6)अवैध निर्माण और अवैध विस्तार,(7) बिना अनुमति नाइट क्लब, बार, बेसमेंट रेस्टोरेंट और कोचिंग केंद्र संचालन,(8)और सबसे चिंताजनक- भ्रष्टाचार के चलते फर्जी लाइसेंस जारी करना। भारतीय नगर प्रशासन या स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार नई बात नहीं है, लेकिन जब यह भ्रष्टाचार नागरिक जीवन के मूलभूत अधिकार, सुरक्षित वातावरण को खतरे में डाल दे, तब यह केवल रिश्वत का मसला नहीं रहता,बल्कि नागरिकों की हत्या नरसंहार जैसी परिस्थितियों को जन्म देने वाली संरचनात्मक विफलता बन जाता है।गोवा की घटना हो या दिल्ली के मुंडका फायर हादसा, मुंबई का कमला मिल फायर, सूरत का कोचिंग सेंटर मामला,हर घटना के पीछे एक सामान्य कारण दिखाई देता है:भ्रष्टाचार के बदले मिले फर्जी प्रमाणपत्र और नियमों के क्रियान्वयन में गहरी प्रशासनिक उदासीनता? भारत में नागरिक सुरक्षा अधिनियम, फायर सेवा अधिनियम, नगर बायलॉज और राष्ट्रीय भवन संहिता जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन जब इन कानूनों के पालन की जिम्मेदारी संभालने वाला निचला -मध्यम प्रशासन ही भ्रष्टाचार में संलिप्त हो जाए, तो सुरक्षा व्यवस्थाएँ केवल कागजी बनकर रह जाती हैं। इसलिए यह मॉडल अब अप्रभावी माना जा रहा है और आवश्यक है कि निरीक्षण का अधिकार सीधे जिलाधिकारी /कलेक्टर के हाथों में आए, जो जिले का सर्वोच्च कार्यपालिका अधिकारी होता है और भ्रष्टाचार- रोधी शक्तियाँ भी रखता है।

साथियों बात अगर हम कलेक्टर द्वारा स्वतः संज्ञान आधारित आकस्मिक निरीक्षण की अपरिहार्यता को समझने की करें तो,प्रत्येक जिले में कलेक्टर स्वयं आकस्मिक निरीक्षण करें,वह वर्तमान भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में एक अत्यंत व्यवहार्य, प्रभावी और नागरिक-हितकारी समाधान है।इसका कारण स्पष्ट है (1) कलेक्टर भ्रष्टाचार-रोधी शक्तियों से लैस होता है।(2) स्थानीय निकाय, नगर परिषद या निगम पर होने वाले राजनीतिक दबाव का प्रभाव कलेक्टर पर कम पड़ता है। (3) स्वतः संज्ञान लेने की शक्ति के कारण कलेक्टर किसी भी संस्था पर तात्कालिक जांच और कार्रवाई कर सकता है। (4) आकस्मिक निरीक्षण भ्रष्टाचार की रीढ़ तोड़ने वाला सबसे प्रभावी उपाय है।(5) कलेक्टर की प्रत्यक्ष निगरानी से स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही स्वतः बढ़ जाती है।देश में अक्सर देखा गया है कि फायर सेवा विभाग, नगर निगम या लाइसेंसिंग अधिकारी भ्रष्टाचार के कारण बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नियमों के उल्लंघन के बावजूद ह्यक्लीन चिटह्न दे देते हैं। ऐसे में यदि कलेक्टर हर जिले में-मॉल, होटल,नाइट क्लब,बड़े रेस्टोरेंट मल्टीप्लेक्स सुपर बाजार,स्कूल/ कॉलेज,कोचिंग सेंटर,और उच्च भीड़- घनत्व वाली इमारतों का स्वतः संज्ञान लेकर निरीक्षण करें, तो नागरिक सुरक्षा का स्तर कई गुना बढ़ सकता है कलेक्टर- स्तरीय निरीक्षण से यह भी सुनिश्चित होगा कि फर्जी सर्टिफिकेट रखने वाले प्रतिष्ठानों की तुरंत पहचान की जाए और उन पर दंडात्मक कार्रवाई हो। गोवा हादसा इसी बात का प्रमाण है कि यदि जिला प्रशासन सक्रिय रूप से ऐसे प्रतिष्ठानों पर समय- समय पर निगरानी करता, तो शायद 25 निर्दोष नागरिकों की जान बच सकती थी।

साथियों बात अगर हम भीड़- उपस्थितियों वाले संस्थानों पर अनिवार्य नियमित निरीक्षणः एक नई राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता इसको समझने की करें तो, प्रत्येक जिले में सभी ऐसे संस्थानों पर जहाँ बड़ी संख्या में आम जनता एकत्रित होती है, नियमित निरीक्षण व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। यह निरीक्षण त्रैमासिक, अर्धवार्षिक अथवा वार्षिक न होकर व्यवसाय के प्रकार, भीड़ की मात्रा, जोखिम स्तर और भवन संरचना के आधार पर होना चाहिए।उदाहरण के लिए,नाइट क्लब, बार, बेसमेंट रेस्टोरेंट मासिक निरीक्षण,मल्टीप्लेक्स, मॉल, भीड़भाड़ बाजार हर तीन माह में निरीक्षण,स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर सत्रारंभ से पहले अनिवार्य निरीक्षण होटल और गेस्टहाउस प्रत्येक छह माह में निरीक्षण इन निरीक्षणों में निम्न बिंदुओं की सुनिश्चितता आवश्यक है (1) फायर सेफ्टी उपकरणों की कार्यशीलता (2) आपातकालीन निकास मार्ग (3)भीड़ नियंत्रक तकनीक (4) इलेक्ट्रिकल वायरिंग की सुरक्षा(5) एलपीजी/गैस सुरक्षा(6) बिल्डिंग बायलॉज का अनुपालन (7) सुरक्षा कर्मियों की प्रशिक्षित टीम(8) सीसीटीवी और नियंत्रण प्रणाली,भारत में कई हादसों की मुख्य वजह यह रही है कि ऐसे निरीक्षण या तो कभी हुए ही नहीं, या निरीक्षण रिपोर्ट भ्रष्टाचार के कारण कागज में पास दिखाई गई। इसलिए, कलेक्टर-स्तरीय निगरानी के साथ-साथ डिजिटल पब्लिक इन्स्पेक्शन रजिस्टर की व्यवस्था भी बनाई जानी चाहिए ताकि जनता खुद जान सके कि उनके जिले के प्रतिष्ठानों ने कौन-कौन से सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं।

साथियों बात अगर हम सुरक्षा नियमों के पालन की सार्वजनिक घोषणा इंडिया सेफ्टी चार्ट का अनिवार्य प्रदर्शन इसको समझने की करें तो,विश्व के कई देशों में, जैसे सिंगापुर, जापान, कनाडा और जर्मनी, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एक पब्लिक सेफ्टी चार्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य होता है। भारत में भी ऐसा मॉडल अपनाने का समय आ चुका है।इस भारत सुरक्षा चार्ट / इंडिया सेफ्टी कम्पलायंस चार्ट में निम्नलिखित जानकारी शामिल होनी चाहिए- (1)अंतिम फायर सेफ्टी प्रमाणन की तिथि (2) बिल्डिंग बायलॉज अनुपालन स्तर (3) इमरजेंसी निकास योजना(4)अग्निशमन उपकरणों की क्षमता व स्थिति (5) अधिनियमों के अंतर्गत उठाए गए सुरक्षा कदम (6)स्वच्छता और विद्युत सुरक्षा जांच की तिथि (7) कलेक्टर अथवा अधिकृत अधिकारी का डिजिटल सत्यापन, इस चार्ट को रेस्टोरेंट, मॉल, होटल, थिएटर, संस्थानों व नाइट क्लब के प्रवेश द्वार पर अनिवार्य रूप से लगाया जाना चाहिए, ताकि नागरिक स्वयं जान सकें कि जिस स्थान पर वे जा रहे हैं, वह सुरक्षित है या नहीं। यदि कोई प्रतिष्ठान इस चार्ट को प्रदर्शित नहीं करता, तो उसे स्वतः जोखिम-श्रेणी में रखा जाए और कलेक्टर कार्रवाई करें।

साथियों बात अगर हम लाइसेंस उल्लंघन, अवैध संचालन और गैर-अनुपालन पर कठोर कार्रवाई इसको समझने की करें तो,बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर तत्काल लाइसेंस रद्द किया जाए,एक व्यावहारिक और नागरिक- अधिकार आधारित मांग है। भारत में कई बार देखा गया है कि अवैध ढंग से संचालित प्रतिष्ठान- (1)राजनीतिक संरक्षण, (2)पुलिस/नगर निकाय भ्रष्टाचार, (3) या सिस्टम की ढिलाई, के कारण वर्षों तक चलाते रहते हैं। जबकि वे हजारों लोगों की जान खतरे में डालते हैं। यदि कलेक्टर स्तर पर निम्न नीतियाँ लागू की जाएँ-(1)पहली बार में ?10 लाख तक का जुमार्ना+15 दिन का निलंबन (2) दूसरी बार में लाइसेंस का स्थायी रद्दीकरण(3)तीसरी बार में आपराधिक मुकदमा (आईपीसी 304, 336, 337, 338 के तहत) तो ऐसे अपराधों पर अंकुश लगेगा।नियमों का उल्लंघन केवल प्रशासनिक गलती नहीं है,यह सीधे-सीधे नागरिक जीवन को खतरे में डालने की साजिश है, जो गंभीर दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। कलेक्टर यदि इसपर कड़ाई से कार्रवाई करें, तो भ्रष्टाचार की श्रृंखला स्वतः टूट जाएगी।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार इन सभी हादसों की जड़ का कारण है इसको समझने की करें तो, जनता जानती है,ऐसी लापरवाही बिना नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार की मिलीभगत के संभव ही नहीं। यह एक संरचनात्मक समस्या है, जिसमें शामिल होते हैं-निरीक्षण अधिकारी,लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारी,स्थानीय निकाय कर्मचारी,राजनीतिक दबाव,भ्रष्ट ठेकेदार और बिल्डर और कभी-कभी पुलिस जब भ्रष्टाचार नियमों का स्थान ले लेता है तो,(1) आग सुरक्षा कागजों में पास हो जाती है,(2)लाइसेंस रिश्वत के आधार पर जारी हो जाता है,(3)निरीक्षण रिपोर्ट फर्जी तैयार हो जाती है,(4)अवैध निर्माण को अनदेखा कर दिया जाता है,(5) और किसी दुर्घटना से पहले कोई कार्रवाई नहीं होती।गोवा का नाइट क्लब हादसा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ,(1) अवैध विद्युत कनेक्शन, (2)फर्जी लाइसेंस,(3)ओवर-कैपेसिटी भीड़,(4)आपातकालीन निकास बंद, और (5)फायर सिस्टम गैर- कार्यशील,जैसी खामियाँ बाद में सामने आईं। यह सब केवल एक ही चीज की ओर इशारा करता है -भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता। इसलिए भारत को अब एक ऐसी प्रणाली अपनानी चाहिए जिसमें-भ्रष्टाचार का जोखिम न्यूनतम, निरीक्षण डिजिटल, लाइसेंसिंग पारदर्शी, और जिम्मेदारी शीर्ष स्तर पर निश्चितहो। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत वर्तमान में एक अहम मोड़ पर खड़ा है। आर्थिक विकास की तेज रफ्तार, शहरीकरण का विस्तार, और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बढ़ती संख्या के बीच नागरिक सुरक्षा की चुनौती दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। गोवा नाइट क्लब की आग में 25 लोगों की दर्दनाक मृत्यु इस बात की चेतावनी है कि यदि हम भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और निरीक्षण तंत्र की विफलताओं को तुरंत ठीक नहीं करते, तो ऐसे हादसे भविष्य में भी सामने आते रहेंगे इसलिए आवश्यक है कि कलेक्टर-स्तरीय स्वतः संज्ञान अनिवार्य नियमित निरीक्षण,सार्वजनिक सुरक्षा चार्ट का प्रदर्शन,उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई,भ्रष्टाचार-विरोधी तंत्र का सशक्तिकरण उपायों को लागू किया जाए।

## पीवी सिंधु ने नारी शक्ति का शुभारंभ किया

मुंबई। तेजी से बढ़ते भारतीय समूह ईबीजी ग्रुप, जिसके हित मोबिलिटी, हेल्थ, रियल्टी, लाइफस्टाइल, फूड, सर्विसेज, टेक्नोलॉजी और एजुकेशन जैसे विविध क्षेत्रों में हैं, ने आज ईबीजी फाउंडेशन के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन नारी शक्ति की घोषणा की। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ग्रुप ने इस कार्यक्रम हेतु 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग ?8.5 करोड़) की प्रतिबद्धता जताई है। पहले चरण में पूरे भारत में 1,00,000 महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल के तहत 247 राष्ट्रीय एसओएस हेल्पलाइन सुरक्षा लाइन (7777777963) भी लॉन्च की गई है, जो महिलाओं को तत्काल सहायता, मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान करेगी। हैदराबाद में आयोजित समारोह में पद्म श्री से सम्मानित एवं प्रोफेशनल बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने इस मिशन और राष्ट्रीय हेल्पलाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ईबीजी ग्रुप के चेयरमैन एवं संस्थापक डॉ. इरफान खान ने कहा: झआजादी के 75 साल बाद भी लाखों महिलाएं सुरक्षा, आवाज, आर्थिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य सुविधा, कानूनी सुरक्षा और सम्मान से वंचित हैं। नारी शक्ति इन्हीं वास्तविकताओं को बदलने के लिए बनाई गई है झ यह दान नहीं, एक्शन है। यह कार्यक्रम जनता से फंड नहीं जुटाता; हम अपने व्यवसायों से कमाई से ईबीजी फाउंडेशन पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संसाधन लगाते हैं। हमारे ईबीजी में ही 60% से अधिक कर्मचारी महिलाएं हैं। इसी अनुभव को देशव्यापी बनाकर हम आर्थिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कानूनी अधिकार और सम्मान झ सब कुछ एक ही मंच पर देने वाली राष्ट्रीय व्यवस्था बना रहे हैं।

# निलेश वझे व नरेश म्हस्के को मिला डीजी डिस्क एंड कमेंडेशन सर्टिफिकेट सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला के लिए गर्व का क्षण– नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले नागरी संरक्षण दल (सिविल डिफेंस) के दो जांबाज अधिकारियों में विभागीय क्षेत्ररक्षक पालघर विधानसभा निलेश सुदाम वझे तथा विभागीय क्षेत्ररक्षक बोईसर विधानसभा नरेश अनंत म्हस्के को भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से उनके विशिष्ट और उत्कृष्ट कार्य के लिए D G Bronze Disc Award एवं Commendation Certificate से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान गृह मंत्रालय के फायर सर्विसेज, सिविल डिफेन्स एवं होमगार्ड विभाग द्वारा 63वें वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया। इन दोनों अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए, आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा तथा सार्वजनिक हित से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी सेवा भावना, अनुशासन और जोखिमों से लड़ते हुए समाज की रक्षा के लिए किए गए अथक प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। सम्मान समारोह के दौरान नागरी संरक्षण दल पालघर के जिला उपनियंत्रक काशीनाथ आर. कुरकुटे ने बताया कि दोनों अधिकारियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य एवं दक्षता का परिचय देते हुए कई महत्वपूर्ण अभियानों को सफल बनाया। इनकी कार्यकुशलता और देशहित की प्रतिबद्धता नई पीढ़ी के सुरक्षाबलों और स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत है। स्थानीय नागरिकों से लेकर विभागीय अधिकारियों तक, सभी ने वझे और म्हस्के को इस विशेष उपलब्धि पर बधाई देते हुए गौरव की अनुभूति व्यक्त की है। सम्मानित अधिकारियों ने भी इस उपलब्धि को अपनी टीम, वरिष्ठ अधिकारियों और अपने परिवारों को समर्पित करते हुए कहा कि आगे भी वे पूरे मनोयोग और ईमानदारी से देश की सेवा करते रहेंगे। समाज-हित और जनसुरक्षा के प्रति उनका यह समर्पण निश्चित रूप से देश के होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस तंत्र को और मजबूती प्रदान करेगा।

## अशोक लेलैंड ने एक्सकॉन 2025 में अगली पीढ़ी की कॉम्पैक्ट इंजन सीरीज का अनावरण किया

मुंबई/बेंगलुरु। हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माताओं में से एक, अशोक लेलैंड ने एक्सकॉन 2025 में अपने नए पी15 (49 और 55 एचपी) और एच4 यूनिपैक (55 और 74 एचपी) इंजन समाधानों का अनावरण किया। नवीनतम सीईवी स्टेज 5 उत्सर्जन मानदंडों का पूरी तरह से अनुपालन करते हुए, ये इंजन ऑफ-हाईवे और औद्योगिक अनुप्रयोगों में उच्च प्रदर्शन, बढ़ी हुई दक्षता और दीर्घकालिक विश्वसनीयता के लिए डिजाइन किए गए हैं। विश्व स्तरीय विनिर्माण सुविधाओं में निर्मित और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के साथ सरेखित, नए इंजन नवाचार और ग्राहक-केंद्रित इंजीनियरिंग के प्रति अशोक लेलैंड की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। एक्सकॉन का 12वां संस्करण 09 से 13 दिसंबर 2025 तक बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आयोजित किया जा रहा है। अमनदीप सिंह, अध्यक्ष एलसीवी, अंतर्राष्ट्रीय परिचालन, रक्षा और पावर सॉल्यूशंस, ने कहा हमारे ग्राहकों को ऐसे समाधानों की आवश्यकता है जो उनके परिचालन को सुचारू रूप से और लागत प्रभावी ढंग से चालू रखें। नए पी15 और एच4 यूनिपैक इंजन उच्च शक्ति, बेहतर ईंधन दक्षता और सिद्ध विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। यह लॉन्च नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और भारत के 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

## भिवंडी मनपा द्वारा फेरीवालों को दिया गया अस्थायी प्रमाणपत्र

भिवंडी । भिवंडी मनपा द्वारा फेरीवालों का सर्वेक्षण चल रहा है जिसके तहत फेरीवालों को उनके व्यवसायिक स्थान पर कोई दिक्कत न हो और उन्हें कोई हटाए नहीं फेरीवाले भी सम्मान के साथ अपना व्यवसाय कर सकें जिसके लिये मनपा द्वारा फौरी तौर पर प्रमाणपत्र वितरण किया गया। बतादें कि भिवंडी मनपा आयुक्त व प्रशासक अनमोल सागर (भाप्रसे) के आदेश पर फेरीवालों को सर्टिफिकेट बांटने का फैसला किया गया जिसके मुताबिक फेरीवालों के आत्म सम्मान को ध्यान में रखते हुए उन्हें सर्टिफिकेट देने का कार्य शुरू किया गया जो यह सर्टिफिकेट उनके व्यवसाय के लिए जरूरी है जिसके भविष्य में कई फायदे होंगे। इसलिए हर फेरीवाले को रजिस्टर करके सर्टिफिकेट लेना चाहिए इसी के साथ ससाणे ने फेरी वालों से स्वच्छता मुहिम में मनपा का सहयोग करने की अपील मनपा की अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने की है। मनपा की दीनदयाल जन आजीविका योजना के अंतर्गत अस्थायी प्रमाण पत्र का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह सर्वेक्षण आज मनपा मुख्यालय में अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे के हाथों किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, संगणक विभाग प्रमुख मंदार जोशी, मनपा की दीनदयाल जन आजीविका योजना के व्यवस्थापक एस्टर रायबोर्ड उपस्थित थे।

## सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन में 5 करोड़ का सोना चोरी

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन में 5 करोड़ रुपये का सोना चोरी होने की घटना सामने आई है। यह घटना 6 और 7 दिसंबर की मध्यरात्रि सोलापुर से मुंबई जा रही ट्रेन में हुई। मुंबई के गोरेगांव निवासी अभयकुमार जैन अपनी बेटी के साथ एसी कोच ए-1 में यात्रा कर रहे थे। उनकी बर्थ संख्या 51 और 49 थी। जैन के अनुसार, उन्होंने दो ट्रॉली बैग में लगभग 5 किलो सोना रखा था, जिसे उन्होंने बर्थ के नीचे लॉक करके रखा था। जब जैन की नींद कल्याण स्टेशन के पास खुली, तो उन्होंने देखा कि बर्थ के नीचे रखी ट्रॉली बैग गायब थी। जैन ने तुरंत टिकट निरीक्षक विक्रम मीणा से संपर्क किया और रेलवे हेल्पलाइन पर भी घटना की जानकारी दी। रेलवे पुलिस ने जैन की शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। रेलवे पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चोरों का पता लगाने के लिए अन्य यात्रियों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल चोरों का सुराग नहीं मिला है। इस घटना ने यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं, खासकर एसी कोच में हुई चोरी से हड़कंप मचा हुवा है।

## विधायक रईस शेख ने विधानसभा में सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित लोगों के मुआवजे की किया मांग

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। ठाणे भिवंडी कल्याण मेट्रो प्रोजेक्ट के साथ शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए महानगर पालिका ने विकास प्लान में बताए गए अनुसार सड़क को 36 मीटर तक चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया लेकिन लोग इस बात से नाराज हैं कि महानगर पालिका प्रभावित भू मालिकों को कोई मुआवजा नहीं दे रही है। सड़क चौड़ीकरण के काम में नागरिकों ने सहयोग किया है लेकिन महानगर पालिका ने प्रभावित प्रॉपर्टी मालिकों को मुआवजा देने के लिए कोई कदम उठाए बिना यह कार्रवाई की है। इसलिए प्रभावित निवासियों के लिए टाटा आमंत्रा में रहने की व्यवस्था की जानी चाहिए और प्रभावित प्रॉपर्टी मालिकों को मुआवजा देते समय जमीन मालिकों और उस पर मौजूद प्रॉपर्टी मालिकों को भी इसका फायदा दिया जाना चाहिए। उक्त संदर्भ में भिवंडी पूर्व के विधायक रईस शेख ने नागपुर के शीतकालीन सत्र में मांग की है कि सरकारी जमीन पर मौजूद प्रॉपर्टी मालिकों को भी इसका फायदा मिलना चाहिए। रईस शेख ने विधानसभा में मांग की है कि भिवंडी में प्रभावित लोगों को उसी तरह मुआवजा दिया जाना चाहिए जैसे मुंबई में एम एम आर डी ए द्वारा मुआवजा दिया जाता है। इसके लिए एक सप्ताह के अंदर इस बारे में मीटिंग की जानी चाहिए।

## पोको ने 'C85 5G' स्मार्टफोन लॉन्च किया

मुंबई। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने अपना नया स्मार्टफोन पोको 'C85 5G' लॉन्च किया है। इसी के साथ पोको बजट स्मार्टफोन सेगमेंट को एक बार फिर से धमाल मचाने के लिए तैयार है। यह स्मार्टफोन भारत के डायनैमिक युवाओं के लिए बनाया गया है, जिन्हें बाहर रहते हुए भी हमेशा भरोसेमंद साथ चाहिए। यह फोन जबरदस्त बैटरी बैकअप और शानदार लुक के साथ 12 हजार रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में बेहतरीन वैल्यू देता है। जबर्दस्त बैटरी अनुभव के लिए तैयार पोको 'C85 5G' में 6000m Ah की बैटरी है जो दो दिनों से अधिक की पावर प्रदान करती है। 33W फास्ट चार्जिंग के साथ, आप लगभग 28 मिनट में 50% चार्ज प्राप्त कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आप कभी स्लो ना हों। वहीं, 10ह वायर्ड रिवर्स चार्जिंग डिवाइस को मोबाइल, ळहर ईयरबड्स, स्मार्टवॉच और अन्य एक्सेसरीज के लिए एक पोर्टेबल पावर बैंक के रूप में भी काम करने की सुविधा देता है। भारत की हमेशा चलती-फिरती लाइफस्टाइल के लिए यह स्मार्टफोन एक स्लीक, आधुनिक डिजाइन और एक क्वाड-कर्व्ड बैक, एक स्लिम 7.99mm प्रोफाइल के साथ आता है। इसे मिस्टिक पर्पल, स्प्रिंग ग्रीन और पावर ब्लैक में उपलब्ध प्रीमियम डुअल-टोन फि निश में उतारा गया है।

## डॉ. स.दा. वर्तक जीवन गौरव पुरस्कार 2025 के लिए रमेश पानसे का चयन

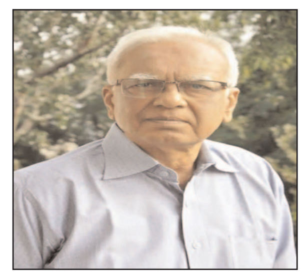

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर एजुकेशन सोसायटी द्वारा पालघर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित डॉ. स. दा. (दादा) वर्तक जीवन गौरव पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए ग्राममंगल संस्था के संस्थापक एवं ट्रस्टी रमेश पानसे का चयन किया गया है। यह पुरस्कार बोईसर के प्रथम डॉक्टर तथा गरीब-गरीबों के हितैषी के रूप में जाने-माने डॉ. सदाशिव दा. वर्तक की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रदान किया जाता है। उनकी 19वीं पुण्यतिथि शनिवार 20 दिसंबर 2025 को है। इसी दिन दोपहर 3 बजे डॉ. स. दा. वर्तक विद्यालय, बोईसर में आयोजित समारोह में भारत के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोडकर के हाथों पानसे को सम्मानित किया जायेगा। डॉ. वर्तक ने चिकित्सा, शिक्षा और समाजसेवा के माध्यम से पालघर में अमूल्य योगदान दिया। उनकी स्मृति में स्थापित यह पुरस्कार आज जिले का एक अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान बन चुका है। पुरस्कार में ?25,000/- की नकद राशि, स्मृतिचिह्न एवं मानपत्र प्रदान किया जाता है। रमेश पानसे ने वर्ष 1982 में डहाणू के आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के विकास को लक्ष्य बनाकर ग्राममंगल संस्था की स्थापना की थी। बच्चों की शिक्षा पद्धति में किये गये उनके नवोन्मेषी प्रयोगों ने राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर में प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा दी। राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति निर्माण में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पानसे को इससे पूर्व रोटरी क्लब ऑफ पुणे मेट्रो पुरस्कार, लातूर भूकंप सेवा सम्मान, कुसुमाग्रज प्रतिष्ठान का गोंदा गौरव पुरस्कार, सह्याद्री वाहिनी का शिक्षणरत्न सम्मान तथा गुरुवर्य आबासाहेब अत्रे पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। बोईसर एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार वर्तक ने जानकारी देते हुए बताया कि रमेश पानसे का कार्य प्रेरणादायी है, और उन्हें इस सम्मान के लिए चुना जाना हमारे लिए भी गर्व की बात है।

## शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे का विपक्ष पर तीखा वार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण लोकसभा के शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान उबाठा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे का मतदान अधिकार छीन लिया था, और आज उबाठा कांग्रेस की गोद में बैठी है।

डॉ. शिंदे ने कहा कि कांग्रेस और उबाठा दोनों की राजनीति लोकतंत्र-विरोधी रही है। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव में गड़बड़ी के लिए दोषी ठहराया गया था। उन्होंने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस उन्हें अपनी वोट बैंक मानकर नीति बनाती है। डॉ. शिंदे ने उबाठा और कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ने बालासाहेब ठाकरे का मतदान अधिकार छीन लिया था, और बाद में चुनाव आयुक्त एम.एस. गिल को मंत्री बनाया।

डॉ. शिंदे ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी चुनावों के लिए एक ही मतदाता सूची होनी चाहिए, और 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का मॉडल जल्द लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत में चुनाव अब बैलेट पेपर से एवीएम तक आधुनिक हुए हैं, और पहले चुनावों में हिंसा होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। डॉ. शिंदे ने कांग्रेस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की हार कराने का आरोप लगाया, और कहा कि कांग्रेस ने मतचोरी करके उनकी हार कराई।

## भिवंडी मनपा द्वारा मनाई गयी संत संताजी जगनाड़े महाराज की जयंती

भिवंडी । भिवंडी मनपा द्वारा मनपा मुख्यालय के तल महला में संत संताजी जगनाडे महाराज की जयंती के अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों पुष्पहार अर्पण कर अभिवादन किया गया। बतादें कि महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के दिनांक 18.02.2025 के परिपत्र के अनुसार तथा भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निदेर्शानुसार दिनांक 08.12.2025 को संत संताजी जगनाड़े महाराज जयंती के अवसर पर मनपा मुख्यालय के भूतल पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के शुभ हाथों से संत संताजी जगनाड़े महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर उपस्थित लोगों ने अभिवादन किया।

इस अवसर पर माननीय उप आयुक्त (कर) बालकृष्ण क्षीरसागर, सहायक आयुक्त (चुनाव) नितिन पाटिल, कर मूल्यांकन विभाग के प्रमुख सुधीर गुरव, समाज कल्याण विभाग प्रमुख श्री मिलिंद पलसुले, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार, मार्केट विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, उद्यान विभाग प्रमुख नीलेश संखे आदि लोगों के साथ मनपा के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

## तारापुर औद्योगिक क्षेत्र की कोकुओ कैम्लिन लि. के कर्मचारियों ने ली नशा-मुक्ति की शपथ

पालघर (उत्तरशक्ति)। ब्रह्मकुमारीज राजयोग केंद्र, पास्थल (बोईसर) द्वारा संचालित ह्यनशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख इकाइयों में कर्मचारियों को नशे से दूर रहने और इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे ह्यनशा छोड़ो, परिवार जोड़ोह्न कार्यक्रम का समापन रविवार 6 दिसम्बर को हुआ। इस अवधि में क्षेत्र के प्रमुख स्कूलों, चौराहों और औद्योगिक इकाइयों में जनजागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से किशोरों, युवाओं और कारखानों में कार्यरत कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।

इसी क्रम में बोईसर-तारापुरऔद्योगिक क्षेत्र की प्रसिद्ध कंपनी कोकुओ कैम्लिन लि. में ब्रह्मकुमारिज राजयोग केंद्र,पास्थल की दीदियों ने कर्मचारियों को नशा-मुक्त रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कारखाने के महाप्रबंधक (एचआर) अजीत राणे को प्रोत्साहन स्वरूप स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया।कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि नशे से प्रभावित लोगों के लिए 07 दिवसीय राजयोग मैडिटेशन का आयोजन सभी ब्रह्मकुमारीज केंद्रों पर निःशुल्क किया जा रहा है, जिससे लोग नशे की लत से मुक्त होकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपना सकें।इस अभियान को क्षेत्र में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रहा है और उद्योगों में कार्यरत कर्मचारी भी स्वेच्छा से इससे जुड़ रहे हैं।

## भिवंडी में सपा महागठबंधन से बाहर रहकर 90 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार: अजय यादव

भिवंडी । भिवंडी महानगर पालिका आम चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने विगुल बजा दिया है और योजनाबद्ध तरीके से ईमानदार और निष्ठावान उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारने के लिए उम्मीदवारों से आवेदन फार्म की शुरूआत कर दिया है जिसके लिये भिवंडी चुनाव प्रभारी अजय यादव ने पत्रकार परिषद का आयोजन किया उनके वक्तव्यों से साफ दिख रहा था कि सपा महागठबंधन से बाहर हो गयी है। बतादें कि अजय यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का भिवंडी में बहुत बड़ा जनाधार है और सपा किसी दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी बल्कि पार्टी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारेगी और अपने दम पर भिवंडी महानगरपालिका का महापौर बनायेगी बनायेगी जिसके लिए अपनी रणनीति से मोचार्बंदी की शुरूआत हो गयी है। उन्होंने बताया कि सपा प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की इच्छा है कि भिवंडी महानगर पालिका में सपा का महापौर बनायेंगे। ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव भिवंडी पूर्व से सपा के रईस शेख की रिकार्ड मतों से हुई जीत व पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी रियाज आजमी को मिले मतों और जनसमर्थन से उत्साहित सपा के कार्यकताओं और वरिष्ट पदाधिकारियों में दुगुना उत्साह देखने को मिल रहा है जिससे भिवंडी में अजय यादव ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष के विश्वास को कायम रखने के लिए पार्टी अपनी पूरी ताकत झोक देंगे । इस अवसर पर भिवंडी समाजवादी पार्टी की समंवय समिति के रियाज आजमी, सलाम नोमानी, अराफात शेख, फराज बाबा बहाउद्दीन, परवेज सरदार, मुशर्रफ अंसारी, मुन्नवर शेख आदि लोग उपस्थित थे। सपा इसके लिए इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन फार्म भरकर 15 दिसंबर तक जमा करने का आह्वान किया है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

## शिपवेव्स ऑनलाइन लिमिटेड का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा

मुंबई। मैंगलुरु स्थित डिजिटल माल-परिवहन तथा तकनीकी आधारित लॉजिस्टिक्स कंपनी शिपवेव्स ऑनलाइन लिमिटेड ने अपने 56.35 करोड़ रुपये के लघु उद्यम प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है। यह निर्गम 10 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 12 दिसंबर 2025 तक खुला रहेगा। कंपनी अपने शेयर बी.एस.ई. के लघु उद्यम मंच पर सूचीबद्ध कराएगी। कंपनी कुल 4 करोड़ 69 लाख इक्विटी शेयर (मूल्य रुपये 1 प्रति शेयर) 12 रुपये प्रति शेयर के निश्चित मूल्य पर जारी करेगी। निर्गम के बाद कंपनी में लगभग 33.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का पतला होना तय है। साल 2015 में स्थापित शिपवेव्स समुद्री, हवाई और सड़क मार्ग से माल-ढुलाई की एकीकृत व्यवस्था उपलब्ध कराती है। इसके साथ ही कंपनी उद्यमों के लिये सॉफ्टवेयर आधारित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन उपकरण भी संचालित करती है। कंपनी की प्रमुख सेवाओं में माल-परिवहन की वास्तविक समय पर निगरानी, स्वचालित दस्तावेज तैयार करने की सुविधा, ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था, मांग का सटीक पूवार्नुमान तथा उन्नत डिजिटल माल-प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से कंपनी ग्राहकों को शुरूआत से अंत तक सुगम लॉजिस्टिक्स समाधान उपलब्ध कराती है। शिपवेव्स ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का 96.71 करोड़ रुपये का राजस्व बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 108.28 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, कर के बाद लाभ भी मजबूत रहा, जो वित्त वर्ष 2024 के 5.83 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 10.83 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। कंपनी का परिचालन लाभ अनुपात सुधारते हुए 17.51 प्रतिशत तक पहुँच गया। इसके अलावा, 30 सितंबर 2025 को समाप्त छह माह की अवधि में शिपवेव्स ने 40.98 करोड़ रुपये का राजस्व और 4.45 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया, जो 10.88 प्रतिशत की लाभांश क्षमता को दर्शाता है। प्रस्ताव पत्र के अनुसार, निर्गम से प्राप्त धनराशि का उपयोग कंपनी के दैनिक कार्यों हेतु आवश्यक पूँजी उपलब्ध कराने, सहायक इकाई में निवेश करने, कुछ ऋणों की आंशिक अदायगी करने तथा सामान्य निगमित कार्यों और निर्गम संबंधी व्ययों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। निर्गम के बाद कंपनी की कुल निवल संपत्ति 30.76 करोड़ रुपये से बढ़कर 87.12 करोड़ रुपये हो जाएगी, जबकि शेयर पूँजी 9.45 करोड़ रुपये से बढ़कर 14.14 करोड़ रुपये हो जाएगी। वर्तमान में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 99.96 प्रतिशत है, जो निर्गम के बाद घटकर 66.79 प्रतिशत रह जाएगी। मुख्य प्रवर्तकों में कलंदन मोहम्मद हारिस, कलंदन मोहम्मद अल्ताफ, कलंदन मोहम्मद आरिफ, अबिद अली, बीबी हाजीरा और मोहम्मद साहिम हारिस शामिल हैं।

## अज्ञात का पीछा करने वाला आदमी बन गया सबसे बड़ा रहस्य

मुंबई। एमेजॅन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, एमेजॅन एमएक्स प्लेयर ने कल अपनी आने वाली तहकीकात पर आधारित अलौकिक थ्रिलर, भय झ द गौरव तिवारी मिस्ट्री का ट्रेलर जारी किया। यह सीरीज भारत के पहले, अलौकिक घटनाओं का जांचकर्ता, गौरव तिवारी की ज़िंदगी और उनके काम से जुड़ी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। इसमें करण टैकर गौरव तिवारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि कल्कि कोचलिन आयरीन वेंकट के रूप में नजर आएंगी, इनके साथ दानिश सूद, सलोनी बत्रा, शुभम चौधरी और निमिषा नायर जैसे मजबूत कलाकारों की टीम भी शामिल है। रॉबी ग्रेवाल के निर्देशन में बनी यह सीरीज कई लिखित मामलों और जमीनी स्तर पर हुई वास्तविक अलौकिक जांचें से प्रेरित होकर तैयार की गई है। ट्रेलर की शुरूआत एक तनावभरी जमीनी जांच से होती है, जो दर्शकों को तुरंत उस दुनिया में ले जाती है, जिसमें कभी गौरव काम किया करते थे। अनसुलझी घटनाओं की झलकें, परेशान करने वाली कॉल, अचानक बैटरी का खत्म होना, आसपास मौजूद आत्माओं का आभास—इन सबके बीच विरोधाभासी बातें एक ऐसी यात्रा का रूप लेती हैं, जो एक पायलट के रूप में उनके साथ शुरू हुई और एक गहरे, जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के एक अलौकिक अध्ययन वाले चर्च तक पहुंचाया, जहाँ से आगे चलकर वे भारत के पहले पैरानॉर्मल ऑफिसर बने।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# उपचार के दौरान मरीज की मौत

## परिजन ने लगाया चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अहियापुर मोड़ पर स्थित एक निजी चिकित्सक के यहां इलाज के दौरान मरीज की मौत होने पर परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने समझा बुझा कर मामला शांत कराया।

मामला कुछ इस प्रकार है कि बरसठी थाना क्षेत्र के टकटकीया कौन निवासी आशीष कुमार सिंह की तबीयत खराब होने पर परिवार के लोगों ने अहियापुर मोड पर बहुचर्चित चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। हालत ठीक होने के बजाय और भी बिगड़ती चली गई। सोमवार देर रात अचानक चिकित्सक द्वारा मरीज का डायलिसिस करने की सलाह दी गई। परिवार के लोगों को सुबह डायलिसिस की बात की गई लेकिन देर रात तबीयत और बिगड़ी तब चिकित्सक ने उसे वाराणसी ले जाने की सलाह दी। कुछ ही देर में मरीज की मौत हो गई। मरीज के साथ में आए परिजनों ने अच्छा खासा हंगामा कर दिया। कुछ ही देर में शहर कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह सहयोगी चौकी प्रभारी के साथ मौके पर पहुंच गए। शहर कोतवाल के समझाने बुझाने पर परिवार वाले लाश लेकर चले गए। मौके पर पुलिस की तत्परता के कारण बात आगे बढ़ने से रुक गई और कोई अप्रिय घटना इस निजी चिकित्सालय में घटित नहीं हो सकी।

# पार्थ ग्लोबल एकेडमी में आयोजित हुआ स्पीक

## मैके कार्यक्रम, बच्चों के साथ राग से राग मिलाकर पद्म श्री गायिका ने बांधा शमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज पार्थ ग्लोबल एकेडमी रूहट्टा जौनपुर के हाल में स्पीक मैके के द्वारा भारतीय संस्कृती से सम्बन्धित कार्यक्रम का एक आयोजन हुआ, इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव उन्होने पार्थ ग्लोबल एकेडमी के सैकड़ों बच्चों के बीच भारतीय संस्कृती से ओत प्रोत भोजपुरी के कजरी, मीरजापुरी लोकगीत, बनारसी लोकगीत, विवाह गीत, देवी गीत, दादरा, कहरवा, पूर्वी, चैती, होली, झूमर, खेमटा, बन्नी, बनना, ओहर, लचारी, विदेसिया आदि से डेढ़ घण्टे तक समा बाधा।

ज्ञातव्य हो कि उर्मिला श्रीवास्तव को 22 अप्रैल 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पदम श्री से पुरस्कृत किया गया है, पद्म श्री के अतिरिक्त भिखारी ठाकुर सम्मान 2006, कर्म योगी पुरस्कार 2009, मॉरिशस महेन्द्र मिसिर पुरवइया रत्न सम्मान, मॉरिशस के उच्चायुक्त मुकेश्वर चुन्नी द्वारा 2009. कजरी साम्राज्ञी 1993 में, कोकिल 1990 में मीरजापुर गौरव, इत्यादि से सम्मानित किया गया। लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव अपने देश के अलावा, दुबई, भूटान, मॉरिशस, एलियान्स फ्रान्सेज इत्यादि जगह अपना कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुकी है।

लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव आकाशवाणी दिल्ली, जम्मू कश्मीर, रामपुर, सम्बलपुर, कठुआ, गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी इत्यादि स्थानों पर प्रस्तुति दे चुकी है, लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव कई स्थानों पर कई कलाकारो के साथ भी मंच साझा कर चुकी है, जिसमें प्रमुख रूप से प?द्मभूषण किशन महराज, दिलेर मेहंदी, अन्नू मलिक, मुबारक बेगम, अनूप जलोटा, पंकज उधास, पं० राजन साजन मिश्र, पद्मश्री तीजन बाई, पद्मभूषण उमा

शर्मा के साथ मंच साझा कर चुकी हैं. इनके साथ साथ लगभग दस हजार लोकगीतों का संग्रह भी है, जिसको ये विभिन्न मंचो पर गा चुकी हैं।कार्यक्रम के प्रारम्भ में लोकगायिका उर्मिला श्रीवास्तव ने प्राचार्य शिप्रा सिंह के साथ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया तथा माल्यार्पण किया तदुपरान्त विद्यालय के नन्हे मुन्ने छात्र छात्राओं ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।लोक गायिका ने बच्चों की प्रशंसा की क्योंकि बच्चे हर गीत में सुर से सुर मिलाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा रहे थे।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित उर्मिला श्रीवास्तव के लिए यह नया अनुभव था लोकगीतों के निहितार्थ को छोटे बच्चों तक प्रेषित करना लेकिन बहुत सुंदर ढंग से बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकगीतों के मर्म को समझाया और गीतों को गाकर सुनाया। बच्चे भी बहुत उत्साहित थे।

पार्थ ग्लोबल एकेडमी के बच्चों का उत्साह देखकर वो बहुत खुश हो रही थीं। उनका कहना था कि और स्कूलों में बच्चों से गाने के लिए कहना पड़ता है, यहां रोकना पड़ रहा है।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र/छात्रायें तथा प्राचार्य शिप्रा सिंह, साक्षी सोनी, निहारिका शर्मा, स्वाति श्रीवास्तव, सोनम मिश्रा, पार्वती मौर्य, प्रतिभा सिंह,आदि शिक्षक उपस्थित थे,कार्यक्रम का संचालन पवन अग्रहरि ने किया तथा बाहर से आये हुए सभी अतिथियों का आभार प्रबंधक डॉ सत्येंद्र प्रताप सिंह एवं डा० सरोज ने संयुक्त रूप से किया।

# कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद सोनिया गांधी का मनाया गया जन्मदिन

## जिला उपाध्यक्ष डा. सन्तोष कुमार गिरी नें बांटे गरीबों में फल, गरीबों के चेहरे पर आई मुस्कान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के सिहौली चौराहा पर

स्थित ब्लाक कांग्रेस कार्यालय पर मंगलवार को राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद सोनिया गांधी की जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाई गयी।

मंगलवार को कांग्रेस कमेटी के जौनपुर जिला उपाध्यक्ष जफराबाद प्रभारी व केराकत कोआर्डिनेटर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डाक्टर संतोष कुमार गिरी नें पार्टी कार्यालय पर एवं केराकत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर गरीबों जरूरत मन्दों के बीच जाकर उन लोगों में फल वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी नें कहा कि मैं सर्वप्रथम अपनी नेता जो समर्पण त्याग व साहस की परिचायक श्रीमती सोनिया गांधी को उनकी लम्बी उम्र की इश्वर से प्रार्थना करता हूं और देश और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनें और हमारे युवा संघर्षशील नेता व सांसद राहुल गांधी जी देश के प्रधानमंत्री बनें यही मेरी इश्वर से प्रार्थना है।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष के साथ केराकत ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र प्रताप भी मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष केराकत लालता चौधरी, मुकीम हाश्मी, खुर्शीद खान, राजा सूर्यबली, अफजाल अंसारी, किशोरी मिस्त्री, राजेन्द्र कन्नौजिया, बासूदेव यादव, मोहम्मद सलीम, आशीष यादव, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# नैतिक शिक्षा से युवाओं को मिलेगी नई दिशाः भगवान भाई

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भौतिक शिक्षा से हम रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन परिवार, समाज, कार्यस्थल में परेशानी या

चुनौती का मुकाबला नहीं कर सकते है। युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करके डॉक्टर, इंजीनियर बनकर धनोपार्जन कर सुख-सुविधा युक्त जीवन निर्वाह करना चाहते हैं, परंतु जब उनका उद्देश्य पूर्ण नहीं हो पाता तो उनका मन असंतुष्ट हो उठता है और मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। उक्त उदगार माउंट आबू से ब्रह्माकुमारी के पधारे हुए बी के भगवान भाई ने कहे। वे आज सर सैयद अहमद इण्टर कॉलेज में नैतिक शिक्षा से चरित्रवान, सशक्त युवा विषय पर बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य हैं चरित्र का निर्माण करना,असत्य से सत्य की ओर ले जाना, बंधन से मुक्ति की ओर जाना लेकिन आज की शिक्षा भौतिकता की ओर ले जा रही है। भौतिक शिक्षा से भौतिकता की प्राप्ति होती है और नैतिक शिक्षा से चरित्र बनता है। इसलिए वर्तमान के समय प्रमाण भौतिक शिक्षा के साथ साथ बच्चो को नैतिक शिक्षा की भी आवश्यकता है।

भगवान भाई ने कहा कि शिक्षा से प्राप्त उपलब्धियां उन्हें निर्थक प्रतीत होती हैं। शिक्षा एक बीज है जीवन एक वृक्ष है जब तक हमारे जीवन रूपी वृक्ष में गुण रूपी फल नहीं आते तब तक हमारी शिक्षा अधूरी है। समाज अमूर्त होता हैं और प्रेम, सद्भावना, भातृत्व, नैतिकता एवं मानवीय सद्गुणों से सचालित होता हैं।

उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा से युवाओं को नई दिशा मिल सकती है। भौतिक शिक्षा से भौतिकता का विकास होगा और नैतिक शिक्षा से सर्वागिंण विकास होगा। इस मौके पर प्रिंसिपल मोहम्मद शाहिद नईम ने कहा कि नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता, अपराध, नशा-व्यसन, क्रोध, झगड़े आपसी मन मुटाव बढ़ता जा रहा है। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज की राजयोग शिक्षिका बीके समिता बहन ने संस्था का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मिर्जा जरियाब बेग मोहम्मद असद, आनंद सिंह, शिशिर कुमार यादव, अरशद अली, मो सिराज, मो अहसन, मो नियाजी आदि मौजूद रहे।

# नए साल में 3 दिन के लिए बंद रहेगी आरती और दर्शन की ऑनलाइन बुकिंग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में नए

साल पर श्रद्धालुओं को आरती व दर्शन के लिए ऑनलाइन टिकट नहीं मिल सकेंगे भीड़ के दबाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है अभी से ही 31 दिसंबर से दो जनवरी तक के टिकट की ऑनलाइन बुकिंग को बंद कर दिया है। वहीं अगले महीने भर के लिए आरती के सभी स्लॉट फुल हो चुके हैं। जनवरी के लिए 70 टिकट उपलब्ध हैं जो आने वाले 24 घंटे में बुक हो सकते हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि धाम बनने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव को देखते हुए प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर से दो जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग बंद करना पड़ता है। इस बार भी 31 दिसंबर से दो जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग को बंद कर दिया गया है। स्पर्श दर्शन के संबंध में भीड़ की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था किया गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर की चार प्रहर की आरती के लिए बुकिंग की सुविधा मंदिर की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मंदिर के ऐप पर सुगम दर्शन व रुद्राभिषेक की बुकिंग ही उपलब्ध है। मंदिर के ऐप पर आरती के लिए टिकट बुकिंग को बंद कर दिया गया है। मंदिर की आरती के एडवांस टिकट के लिए ऑनलाइन बुकिंग एक माह के लिए ही उपलब्ध होती है। मंदिर की वेबसाइट और ऐप पर सुगम दर्शन व रुद्राभिषेक के 2 जनवरी के बाद के टिकट उपलब्ध हैं। वेबसाइट पर मंगला आरती के 7 तारीख के लिए 70 टिकट उपलब्ध हैं।

## अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत छताईकला गांव में एक अधेड़ ने घर के अंदर कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने सूचना कोतवाली पुलिस को दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के छताईकला गांव निवासी 48 वर्षीय संजीव सिंह उर्फ डब्बू पुत्र स्व विजय प्रताप सिंह ने बीती रात अपने घर में कमरें में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। डब्बू सिंह की किराना की दुकान है। घर पर वो अकेले ही थे।उनकी पत्नी व दो बच्चे हैं।जो वैवाहिक कार्यक्रम के चलते बच्चों के साथ अपने मायके आजमगढ़ जनपद के माहूल के फरीदपुर गांव गयी हुई थी। घटना की जानकारी जब सुबह लोगों को हुई तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।मौत खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के एक बेटा तरूण सिंह है व एक बेटी है।

## भूमि विवाद में मारपीट, महिला घायल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत सुरिस गांव में जमीनी विवाद के चलते पड़ोसियों ने एक महिला को लाठी डंडे से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। क्षेत्र के सुरिस गांव में जमीनी विवाद के चलते पड़ोसियों ने 55 वर्षीय अनीता देवी पत्नी लालता प्रसाद को लाठी डंडे से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। वहीं पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

## चीफ फार्मासिस्ट एस.के.सिंह सेवानिवृत्त

### 36 साल की सेवा के बाद विदाई पर हुआ सम्मान सामरोह का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सुजानगंज में कार्यरत चीफ फार्मासिस्ट शिवकुमार सिंह (एस.के. सिंह) अपनी 36 वर्ष की सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार, बस्ती जिले के निवासी एस.के. सिंह ने वर्ष 1989 में महिला चिकित्सालय मुंगरा बादशाहपुर में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यभार संभाला था। इसके बाद उन्होंने सीएचसी सतहरिया में भी अपनी सेवाएं दीं। पदोन्नति के उपरांत

वे सीएचसी सुजानगंज में चीफ फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में पूरी तत्परता और निष्ठा के साथ 36 वर्षों तक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक सुजानगंज, डॉ. सुनील पांडे ने एक सम्मान समारोह आयोजित किया। डॉ. पांडे ने चीफ फार्मासिस्ट एस.के. सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई और उन्होंने एक मिसाल कायम की है। उन्होंने एस.के. सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस क्रम में डॉ. देवेंद्र पाल, डॉ. पुनीत कश्यप सहित सीएचसी के समस्त स्टाफ ने एस.के. सिंह को विदाई दी और उनके सुखद भविष्य की कामना की।

## संदिग्ध परिस्थिति में युवक का कुएं मे मिला शव

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के असनहर गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई हैं जहाँ एक युवक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय प्रमोद कुमार पुत्र बासदेव निवासी कारीडाड़ चक चपकी के रूप में हुई है।

# अवैध नशीले पाउडर (हेरोइन) की तस्करी करने वाले 3 अन्तर्जन्पदीय आरोपी गिरफ्तार

## थाना जफाबाद पुलिस व एसओजी जौनपुर की संयुक्त कार्यवाही

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफ?ाबाद पुलिस व एसओजी जौनपुर की संयुक्त कार्यवाही में अवैध नशीला पाउडर(हेरोईन) की तस्करी करने वाले 03 अन्तर्जन्पदीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 400 ग्राम नशीला पाउडर(हेरोइन) (अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 80 लाख रुपया) सहित डिजीटल तराजू, 07 मोबाइल व एक बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद।

**गिरफ्तारी का विवरणः** पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन व गोल्डी गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर, के कुशल पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस टीम व एसओजी जौनपुर की संयुक्त टीम द्वारा आज दिनांक 09.12.2025 को बेलाव घाट पुल पर वाहन चेकिंग के दौरान तीन व्यक्ति जो अवैध हिरोईन की तस्करी हेतु जनपद गाजीपुर से जनपद जौनपुर के लिए एक बिना नंबर प्लेट मोटर साइकिल से आ रहे थे कि मुखबिर खास की सूचना पर समय करीब-02.45 बजे 03 आरोपीगण, राकेश यादव पुत्र कन्हैया यादव नि0 बड़हरा थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर, सिकन्दर यादव उर्फ गुडडू पुत्र रामजनम यादव नि0 बड़हरा थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर ,आकाश चौहान पुत्र तिलकधारी चौहान नि0 नन्दगाँव हुसैनाबाद थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से 400 ग्राम नशीला पाउडर(हेरोईन जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 80 लाख रुयपा) ,डिजीटल तराजू, 07 मोबाइल व एक बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगणो के विरुद्ध थाना जफराबाद, जौनपुर पर मु0अ0सं0-282/25 धारा 8/21/29/60 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

**पूछताछ का विवरणः** उपरोक्त आरोपियों से पूछताछ किया गया तो बता रहे है कि साहब हम लोग जनपद गाजीपुर से यह नशीला पाउडर हेरोईन खरीदकर लाते हैं ' तथा खरीदे गये दाम से उंची दाम पर बेचते हैं और उस पैसे से अपना घर गृहस्थी चलाते है। आज भी हम लोग यह नशीला पाउडर हेरोईन लेकर गाजीपुर से जौनपुर जा रहे थे कि आप पुलिस वालो ने पकड़ लिया । जौनपुर में भी कुछ खास व्यक्तियों को सप्लाई देता हूँ। साहब हम लोगों को माफ कर दीजिये।

**बरामदगीः** नशीला पाउडर(हेरोईन)- 400 ग्राम (कीमत करीब 80 लाख रुपया) एक बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल चेसिस न0-MBLHAW238PHE87649, रजिस्ट्रेशन नम्बर-UP65EW1920, एण्ड्रायड सेट मोबाइल -03 अदद, की पैड मोबाईल-04 अदद, डिजीटल तराजू-01 अदद।

# 11 दिसंबर तक सभी लोग अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को कराएं उपलब्धः जिलाधिकारी

## विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अंतर्गत जन जागरूकता हेतु कैंप लगाकर, हेल्प डेस्क, माइक अनाउंसमेंट आदि के माध्यम से लोगों को किया जा रहा जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुपालन में जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य तीव्र गति से संचालित किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर समस्त कार्य पूर्ण कराने हेतु सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और वे स्वयं भी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा कर रहे हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में विधानसभा क्षेत्रों में वार रूम की स्थापना कर व्यापक स्तर पर डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ के सहयोग हेतु शिक्षकगण, पंचायत सहायक, लेखपाल भी लगाए गए है।

हेल्प डेस्क तथा कैंप लगाकर लोगों को गणना प्रपत्र भरने में सहयोग किया जा रहा है। माइक अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को 11 दिसंबर 2025 से पूर्व गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को देने अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्रपत्र भरने हेतु जागरूक किया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट कॉन्टैक्ट सेंटर की स्थापना की गई है। जिलाधिकारी ने सभी से अपील किया है कि ईन्यूमरेशन अवधि 11 दिसंबर 2025 तक अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को अवश्य दे दें अथवा ऑनलाइन आवेदन कर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें।

## एक महीने का बिजली बिल आया 30,480 रुपये

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर के एक उपभोक्ता को अचानक 30 हजार 480 रुपये का बिजली बिल थमा दिया दिया। हर महीने नियमित रूप से बिल जमा करने वाले उपभोक्ता ने इसे मनमाना बताते हुए जेई पर गलत बिल जारी कराने व कनेक्शन काटने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत अधिशासी अभियंता सहित जनसुनवाई पोर्टल पर भी दर्ज कराई गई है। नगर के सुरेश नाथ जायसवाल ने बताया कि उनके पुराने कनेक्शन का 6 नवंबर 2025 तक का समस्त बिल भुगतान किया जा चुका है। इसके बावजूद एक दिसंबर 2025 को अचानक 30 हजार 480 रुपये का बिल जारी कर दिया गया। उपभोक्ता ने कहा कि 7 नवंबर को जेई अपने स्टाफ के साथ दुकान पर स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे थे। उस समय वह मौजूद नहीं थे। उनके बेटे ने जेई को बताया कि पिताजी आने पर बात करेंगे। आरोप है कि जेई स्मार्ट मीटर लगाने पर अड़ गए और मना करने पर कनेक्शन काट देने की धमकी दी। कुछ ही दिनों बाद भारी-भरकम बिल जारी कर दिया गया। अधिशासी अभियंता एके शर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। बिल मीटर रीडर बनाते हैं, जेई नहीं। शिकायत प्राप्त होने पर पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## चौरा माता मंदिर तक सीसी रोड बनने से ग्रामीणों में हर्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड मछलीशहर के बामी गांव में मुख्य सड़क से

चौरा माता मंदिर तक सी सी रोड बनने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। लगभग ढाई सौ मीटर लम्बी सी सी रोड बन जाने से ग्रामीणों को मंदिर तक पहुंचने में सहूलियत होगी।इस मंदिर पर ग्रामीण कई पीढ़ियों से चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र में देवी पूजन के लिए आते हैं और नौ दिन देवी पाठ होने के बाद नवरात्र के आखिरी दिन सामूहिक रूप से हवन करते हैं। गांव में पड़ने वाले शादी विवाह के समय इसी मंदिर से आशिर्वाद लेकर दूल्हा बारात ले जाता है। खेतों में फसल होने पर मंदिर तक श्रद्धालुओं को मेड़ों से होकर गुजरना पड़ता था।पक्का रास्ता बन जाने से ग्रामीणों की बहुत पुरानी मांग पूरी हो गई है। बामी गांव के प्रधान प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह सहित ग्रामीणों ने जिला पंचायत निधि से इस मार्ग का निर्माण करवाने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्रीकला धनंजय सिंह का आभार व्यक्त किया है।


शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक

Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ

Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)

अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट

| | |
|---|---|
| OPD Fee | Free |
| Cholesterol | 150/- |
| HbA1C | 700/- |
| BMD | 1500/- |
| PFT(Asthma) | 1500/- |
| TSH | 250/- |
| Sugar | 50/- |
| Diet Councelling | 200/- |
| Neuropathy | 1000/- |
| Uric Acid | 100/- |
| RA | 150/- |
| TOTAL AMOUNT | 5600/- Free |

मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

# इंदौर स्थित दशहरा मैदान पर राम शौर्य कथा संपन्न

**–प्रवीण तिवारी**

**इंदौर (उत्तर शक्ति)**। पूज्यश्री शांतनू महाराज के व्यासत्व में मध्यप्रदेश के इंदौर के अन्नपूर्णा रोड स्थित दशहरा मैदान मे चल रहे रामकथा में अयोध्या के मानस मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महाराज जी ने सोमवार को दशहरा मैदान स्थित रामायण वाटिका पर छबि सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं श्री अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री राम शौर्य कथा शांतनु जी महाराज ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श पर चलने से मानव को कभी दुखी नहीं होता है । 3 दिसंबर से 8 दिसंबर 2025 तक प्रति दिन अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक यह आयोजन समिति की ओर से प्रमुख आयोजक गोपाल गोयल , प्रमुख संयोजक किशोर गोयल , संजय बॉकड़ा , संदीप गोयल , गोविंद मोरनी , शिव जिंदल , कुणाल अग्रवाल के सानिध्य में कथा स्थल पर गुजरात के कलाकारों द्वारा 13 फीट ऊंची शिवलिंग का भक्तों द्वारा जला अभिषेक किया जा रहा था , तत्पश्चात राम कथा सुनने के लिए जाते थे । शांतनु महाराज ने रामकथा गायन करते हुए आवाहन किया कि सनातन धर्म को बचाने के लिए हिंदूओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा ।

अभी हाल में ही बंगाल की मुख्य मंत्री ने बाबरी मस्जिद का निर्माण करने का? अध्यादेश जारी किया है। शांतनु महाराज ने कहा कि यदि मस्जिद ही बनाना है तो वैज्ञानिक अब्दुल कलाम या अब्दुल हमीद के नाम से बनाया जाना चाहिए। हिंदूओं से अपील किया है कि जातिपांति से ऊपर उठकर विरोध करना चाहिए। इंदौर के दशहरा मैदान उमड़ी भक्तों की भीड़ को देखकर भावुक हो गये । राम शौर्य कथा के समापन पर भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। कथा के संदेश को श्रोताओं को निवेदित करते हुए कहा कि,श्रेष्ठ की उपस्थिति में ही नही उनकी अनुपस्थिति में स्वयं को अनुशासन मे रखना चाहिए। शांतनु महाराज ने कहा कि,सतगुण उपासक को मोक्ष की कामना कभी नही करना चाहिए। प्रेम के सर्वोच्च स्थिति का नाम है रती है और हमें भी इसी भाव में प्रेम-भक्ति करना चाहिए। प्रेम करने वाले को अपने प्रेमी से प्रेम की अपेक्षा नही करनी चाहिये ।

# मुरादाबाद में सम्मानित हुआ महाराजगंज का लाल धनंजय द्विवेदी

**सिवान (उत्तरशक्ति)**। महाराजगंज यूपी के मुरादाबाद में एम आर एफ आई माउंटेनियर रवि कुमार फाउंडेशन ऑफ इंडिया के तहत शहीद रवि कुमार की स्मृति में आयोजित पर्वतरोहण दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से चुनिंदा लोगों को एडवेंचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ शोभित जैन, संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, और अध्यक्षता पद्मश्री संतोष यादव, प्रसिद्ध पर्वतारोही, ने की। आचार्य डॉ धनंजय द्विवेदी को पर्वतरोहण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए डॉ शोभित जैन द्वारा अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के लाल ज्योतिष शिरोमणि धनंजय द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय मंच मुरादाबाद में सम्मानित होने पर बिहार की सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज क्षेत्र वासियों में गर्व की लहर दौड़ पड़ी है।

# सरकार द्वारा अचानक लागू किए गए इलेक्टिक वेहिकल अनिवार्यता नियम से बाइक टैक्सी राइडर्स परेशान

**मुंबई**। महाराष्ट्र सरकार द्वारा केवल इलेक्ट्रिक बाइक को ही बाइक टैक्सी के रूप में अनुमति देने वाला जीआर जारी करने के बाद हजारों राइडर्स एक ही रात में बेरोजगार हो गए हैं। बिना किसी पूर्व सूचना, तैयारी या पायाभूत सुविधा के लागू किए गए इस फैसले से न केवल राइडर्स बल्कि लाखों यात्रियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाइक टैक्सी एसोसिएशन ने इस जीआर का कड़ा विरोध जताते हुए कहा है कि यह फैसला न सिर्फ.अन्यायपूर्ण है, बल्कि इतना अचानक लिया गया है कि सस्ती, तेज और भरोसेमंद लास्ट-माइल कनेक्टिविटी पर निर्भर रहने वाले हजारों राइडर्स और लाखों यात्रियों के लिए भारी संकट खड़ा हो गया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि उन्हें ई-व्ही तकनीक या बदलाव का विरोध नहीं है, लेकिन पेट्रोल बाइकों को इलेक्ट्रिक वेहिकल में बदलने के लिए उचित समय, आर्थिक सहायता और मूलभूत सुविधाएँ बेहद आवश्यक हैं। इसलिए कझए (इंजन) बाइक्स से इलेक्ट्रिक बाइक्स की ओर शिफ्ट होने के लिए कम से कम एक वर्ष का संक्रमण काल देना जरूरी है।

एसोसिएशन ने यह भी याद दिलाया कि महाराष्ट्र ई-व्ही पॉलिसी 2021 पूरी तरह स्वैच्छिक और प्रोत्साहन आधारित है तथा इसमें आवश्यक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक सहायता का प्रावधान स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। इस नीति में 2025 तक नई वाहन रजिस्ट्रेशन में 10% ईवी का लक्ष्य रखा गया था, कहीं भी बाइक टैक्सी जैसे एक ही क्षेत्र में अचानक 100% ईवी अनिवार्य करने की बात नहीं थी। सरकार के इस अनिवार्य ई-व्ही बाइक टैक्सी नियम के कारण आज कई राइडर्स घर पर बैठे हैं। बाइक खड़ी है, काम नहीं, आय नहीं। कभी न रुकने वाला मुंबई शहर आज यात्रियों के लिए ठहर-सा गया है। यात्रियों को अधिक इंतजार, बढ़ा हुआ किराया और सीमित विकल्पों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसा बाइक टैक्सी एसोसिएशन ने कहा। एसोसिएशन के अनुसार, अधिकांश बाइक टैक्सी राइडर्स की वर्तमान बाइकों पर बैंक की एटक चल रही है। ऐसे अचानक फैसले ने उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। सरकार ने जिन ईवी सब्सिडी, सरल रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और हर जगह चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, वह वास्तव में अब तक दिखाई ही नहीं दे रहा है, ऐसा ड्राइवरों का कहना है।

# इन्दिरा आईवीएफ के मुम्बई में नए सेंटर का फोर्ट में किया शुभारंभ

**मुंबई**। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड (इन्दिरा आईवीएफ) ने फोर्ट, मुंबई में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक का शुभारंभ किया है। यह शुभारंभ देशभर में रिप्रोडक्टिव हैल्थकेयर सेवाओं के अपने विस्तृत नेटवर्क को अधिक मजबूत करने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह नया सेंटर थर्ड फ्लोर, धीरज चैंबर्स, 9, हजारिमल सोनी रोड, आजाद मैदान के पास, फोर्ट, मुंबई में शुरू किया गया है। यह क्लिनिक उन लोगों और दंपतियों को परामर्श, डायग्नोस्टिक और उपचार सेवाएं प्रदान करेगा जो अपने घर के नजदीक ही फर्टिलिटी समाधान चाहते हैं। शुभारंभ समारोह में बॉम्बे हॉस्पिटल के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. गौतम भंसाली ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर इन्दिरा आईवीएफ दादर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एंड कलस्टर बिजनेस हेड डॉ. सारा जैदी और इन्दिरा आईवीएफ फोर्ट, मुंबई की सेंटर हेड डॉ. श्वेता सुरेंद्र कदम के साथ ग्रुप के अन्य डॉक्टर्स भी उपस्थित रहे। नए सेंटर के शुभारंभ पर बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ. गौतम भंसाली ने कहा कि मुंबई में इन्दिरा आईवीएफ के इस नए सेंटर के साथ फर्टिलिटी सेवाओं की उपलब्धता और भी मजबूत हुई है। यहाँ आने वाले दंपतियों को विश्वसनीय केयर का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना बेहद महत्वपूर्ण है, और यह क्लिनिक हमारे क्षेत्र के लिए सकारात्मक कदम है। इन्दिरा आईवीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने विस्तार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंबई में हमारे नए क्लिनिक का उद्घाटन देश के प्रमुख शहरों के साथ दूर-दराज के क्षेत्रों में फर्टिलिटी केयर को पहुंचाने के हमारे मिशन को अधिक सुदृढ़ करता है। हर नए सेंटर के माध्यम से हमारा उद्देश्य प्रत्येक मरीज को सहयोग, पूरी जानकारी और आत्मविश्वास के साथ उनकी फर्टिलिटी यात्रा में आगे बढ़ने में मदद करना है। इन्दिरा आईवीएफ दादर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एंड क्लस्टर बिजनेस हेड और चीफ इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. सारा जैदी ने कहा कि रिप्रोडक्टिव हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ रही है लेकिन अभी भी कई दम्पती पहला कदम बढ़ाने में संकोच करते हैं। हमारा फोर्ट मुंबई सेंटर इस दूरी को कम करने का प्रयास करेगा, ताकि लोग सही समय पर उचित निर्णय लेकर जानकारी और परामर्श प्राप्त कर सकें।

# एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च की अपने ब्रांड की नई पहचान

**मुंबई**। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने बदलाव के सफर में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज ब्रांड की नई पहचान के लॉन्च की घोषणा की। ब्रांड की यह नई पहचान, सही मायने में विश्व स्तर पर एजेस ग्रुप की 200 सालों की विरासत और फेडरल बैंक के सौ साल के भरोसे से प्रेरित है। ब्रांड की इस नई पहचान से बीमा को आसान बनाने, लोगों के साथ दिल से जुड़ाव को मजबूत करने और देश भर में वित्तीय सुरक्षा को सुलभ बनाने के कंपनी के लक्ष्य की झलक मिलती है। इस नए ब्रांड को एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री जूड गोम्स ने ब्रांड एंबेसडर और क्रिकेट जगत के दिग्गज, सचिन तेंदुलकर की मौजूदगी में लॉन्च किया। नई शुरूआत और नई उम्मीद को दशार्ने वाले कंपनी के नए लोगो से इस बात पर भरोसा और मजबूत होता है कि, हर अच्छे सफर की शुरूआत साफ इरादे और सकारात्मक सोच से होती है।

नए लोगो में दो जुड़े हुए आर्क सुरक्षा का प्रतीक हैं, और ग्राहकों को जीवन के हर मोड़ पर सहारा देने के कंपनी के लक्ष्य को दशार्ते हैं।

लॉन्च के मौके पर, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जूड गोम्स ने कहा, यह नई पहचान बताती है कि हम कौन हैं और भारत के लोगों के लिए हम क्या बनना चाहते हैं- यानी हम संभावनाओं को साकार करने वाले हैं। अल्बा में हर किसी की परवाह और उम्मीद का भाव समाया है, जबकि 'हर वादा मुमकिन'- हर वादा होगा पूरा, हमारे ब्रांड का वादा है जिससे जाहिर है कि कंपनी अपना हर वादा पूरा करने के संकल्प पर कायम है।

इस महत्वपूर्ण कदम से भारत में वित्तीय सुरक्षा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और लाखों लोगों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के हमारे अरमानों को बढ़ावा मिलता है।

# अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने डॉ. श्रीधर की उपस्थिति में आयोजित किया 7वाँ दीक्षांत समारोह

**मुंबई**। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने हाल ही में अपना 7वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें बैचलर ऑफ डिजाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिजाइन, अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट, एमएससी इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट और अनंत फेलोशिप इन क्लाइमेट एक्शन सहित कुल 299 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, जोहो कॉरपोरेशन के चीफ साइंटिस्ट और सह-संस्थापक डॉ. श्रीधर वेम्बू थे। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अजय पीरामल, प्रोवोस्ट डॉ. संजीव विद्यासागर तथा बोर्ड के सदस्य भी समारोह में उपस्थित थे। दीक्षांत संबोधन देते हुए डॉ. वेम्बू ने कहा, अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी आकर मुझे अत्यंत आनंद हुआ। अनंत के छात्रों की रचनात्मकता और उद्देश्य-प्रधान डिजाइनों ने मुझे प्रभावित किया। यहाँ मैंने अद्भुत कार्य देखा, वह नवाचार जिसकी हमारे देश को आज अत्यंत आवश्यकता है। हम अक्सर अपने अतीत की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, लेकिन बहुत कम ही हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम वर्तमान में क्या निर्माण कर रहे हैं। हमें अपनी जीवन-सीमा से परे सोचकर भविष्य के लिए निर्माण करना चाहिए और अनंत अपने छात्रों को यही सिखा रहा है। अच्छा डिजाइन मन और आत्मा को ऊँचा उठाता है, और मैंने इस कैंपस में वही भावना जीवंत देखी है। सपने देखते रहिए, युवा बने रहिए, प्रासंगिक बने रहिए। जब आप अपना अहं छोड़कर किसी बड़े प्रभाव की इच्छा छोड़ देते हैं, तब आप अक्सर अपना सबसे शक्तिशाली प्रभाव छोड़ते हैं। समस्या पर ध्यान केंद्रित करें, असाधारण कार्य स्वयं उत्पन्न होगा।

डॉ. श्रीधर वेम्बू ने 1996 में जोहो कॉरपोरेशन की सह-स्थापना की और 2000 से 2024 तक कंपनी के सीईओ रहे। 2025 में उन्होंने एआई सहित गहन-तकनीक अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चीफ साइंटिस्ट की भूमिका ग्रहण की। जोहो कॉरपोरेशन आज भारत की सबसे बड़ी सॉफ़्टवेयर प्रोडक्ट कंपनी है, जिसने भर्ती, प्रशिक्षण, उत्पाद रणनीति, लोकेशन और ग्राहक संतुष्टि जैसे क्षेत्रों में अलग दिशा अपनाई है, जिसका आधार संतोष और विनम्रता को प्राथमिक गुण मानने वाला दर्शन है।

# डॉ. वैद्याज ने बाबा सहगल के साथ मिलकर लॉन्च किया बोल्ड रैप कैंपेन

**मुंबई**। भारत में आज भी निजी रिश्तों से जुड़े विषयों पर खुलकर बात करना कई लोगों के लिए सहज नहीं है। इसी झिझक को दूर करने के उद्देश्य से डॉ. वैद्याज ने मशहूर रैपर बाबा सहगल के साथ एक दमदार और मनोरंजक कैंपेन की शुरूआत की है। यह कैंपेन ब्रांड के ह्यशिलाजीत-इंफ्यूज्ड इंटीमेट ल्यूब पर आधारित है और पॉप कल्चर, संगीत और हल्के-फुल्के हास्य के साथ सेक्सुअल वेलनेस पर बातचीत को सामान्य बनाने का प्रयास करता है। डॉ. वैद्याज की भरोसेमंद आयुर्वेदिक विशेषज्ञता और बाबा सहगल की लोकप्रियता का मेल यह संदेश सीधे उन युवा, डिजिटल-फर्स्ट उपभोक्ताओं तक पहुंचाता है, जो चाहते हैं कि ब्रांड उनके साथ खुलकर, सहज और संवेदनशील तरीके से बात करें। महिलाओं में ड्राईनेस और पुरुषों में स्टैमिना जैसे विषयों को हल्के-फुल्के और दोस्ताना अंदाज में पेश किया गया है, ताकि कपल्स आसानी से इन पर चर्चा कर सकें।

डॉ. वैद्याज (आरपीएसजी ग्रुप) के सीईओ, चिराग गड़ा ने कहा, हम मानते हैं कि वेलनेस से जुड़ी बातचीत स्पष्ट, ईमानदार और भरोसे पर आधारित होनी चाहिए। बाबा सहगल के साथ यह साझेदारी उसी विचार को आगे बढ़ाती है और अंतरंग देखभाल को सामान्य और स्वीकार्य बनाने में मदद करती है। संगीत और ह्यूमर उन दीवारों को तोड़ते हैं जो लोग अक्सर इस विषय के आसपास खड़ी कर लेते हैं। बाबा सहगल ने इस सहयोग पर कहा, म्यूज़िक किसी भी विषय को समझने और अपनाने में मदद करता है – चाहे वह विषय थोड़ा झिझक वाला ही क्यों न हो। जब मुझे इस कैंपेन के बारे में बताया गया, तभी समझ गया कि इसमें मजेदार और बोल्ड रैप जरूरी है। अगर मेरा अंदाज कपल्स को खुलकर बातचीत करने और सहज होने में मदद करे, तो इससे बड़ी सफलता मेरे लिए कोई और नहीं।

# एक्सकॉन 2025 में टाटा हिताची के रिलायबल ऑरेंज की दमदार प्रदर्शनी

**बेंगलुरु**। भारत की मशहूर कंस्ट्रक्शन मशीनरी कम्पनियों में सुप्रतिष्ठित टाटा हिताची ने दक्षिण एशिया के सबसे बड़े कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट एग्जीबिशन एक्सकॉन 2025 में अपना आधिकारिक पवेलियन खोला। इसका थीम था रिलायबल ऑरेंज। टाटा हिताची के एक्सकॉन 2025 पवेलियन का उद्घाटन मासाफुमी सेनजाकी ने किया जो जापान में हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी के रिप्रेजेंटेटिव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, प्रेसिडेंट और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और सीओओ हैं। उनका आगमन इसलिए भी उल्लेखनीय है कि यह भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ स्टोरी के लिए उनकी प्रतिबद्धता मजबूत होने का प्रमाण है। साथ ही, टाटा हिताची के लिए 4 दशकों से ज्यादा समय से एचसीएम के समर्थन को दर्शाता है। इससे हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी जापान की ग्लोबल ग्रोथ स्ट्रैटेजी में भारत की बढ़ती भूमिका भी सामने आई है। रिलायबल ऑरेंज- इस साल का थीम भरोसा, इनोवेशन और निरंतर दमदार परफॉर्मेंस को लेकर टाटा हिताची के अटूट वादे को दर्शाता है। टाटा हिताची के इस वादे के पीछे भरोसे, इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और समर्पित ग्राहक सेवा की विरासत रही है। मासाफुमी सेनजाकी, रिप्रेजेंटेटिव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, प्रेसिडेंट और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और सीओओ, हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी, जापान ने कहा, आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते कंस्ट्रक्शन मार्केट में शामिल है और हम टाटा हिताची के सहयोग से विश्वस्तरीय मशीनरी और भरोसेमंद सेवा देते हुए भारत के ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। संदीप सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर, टाटा हिताची ने कहा, हमारा कार्य-दर्शन ग्राहक-प्रधान रहा है। अपने कार्मिकों और कार्य प्रक्रियाओं के बल पर 60$ वर्षों के इस सफर में हम निरंतर बेहतर करने में सक्षम रहे हैं। इसी सोच के साथ भारत के एक्सकेवेटर सेगमेंट में सबसे बड़े कस्टमर-फेसिंग नेटवर्क में से एक कायम करने में सफल रहे हैं।

# समाज की दिशा और दशा तभी बदलेगी, जब युवा दृढ़ता के साथ आगे आएंगे : स्वामी

**सिवान (उत्तरशक्ति)**। महाराजगंज कुंवर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी को बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज युवाओं ने भाव स्वागत किया। एनडीए की जयकारों के साथ जितेंद्र स्वामी ले जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम की अगुवाई प्रभारी प्राचार्य मनोज कुमार ने की। जहां सैकड़ों छात्र, परिवार और सामाजिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने अपने समाज से जुड़े वर्तमान मुद्दों और समस्याओं का चर्चा सदस्य के समक्ष विस्तार से रखा गया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए जितेंद्र स्वामी ने कहा कि समाज की दिशा और दशा तभी बदलेगी, जब हर वर्ग के युवा दृढ़ता के साथ आगे आएं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कुशवाहा पिछड़ी, अनुसूचित जनजाति समाज भारत की मूल पहचान और संस्कृति का वाहक है, और यदि सरकारें इस समाज की उपेक्षा करेंगी तो इसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि समाज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से रखा जाएगा इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह , अमरेश सिंह गौतम, मुन्ना सिंह, आदि युवाओं ने भी समता मूलक समाज की बनावट पर जोड़ दिया।

# देश से वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए सांसद ने लोस में रखा सवाल

**सिवान (उत्तरशक्ति)**। महाराजगंज बिहार से सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तारांकित प्रश्न (मौखिक प्रश्न) संख्या 122 के तहत माननीय गृह मंत्री से देश में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित निम्नलिखित सवाल किये जिसका उत्तर गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय जी ने दिया। सबसे पहले सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने देश से वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाये गए ठोस एवं प्रभावी कदम के लिए देश के प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री को धन्यवाद् देते हुए गृह मंत्री जी से पहला प्रश्न पूछा कि क्या सरकार ने देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा अवसंरचना से संबंधित किसी योजना का कार्यान्वयन किया है ? इसी के साथ यह भी पूछा कि वर्षो-वर्षो से चली रही वामपंथी उग्रवाद की समस्या का उन्मूलन क्यों नहीं हो पा रहा था ? वर्तमान सरकार ने इसके उन्मूलन हेतु क्या क्या प्रभावी कदम उठाए हैं एवं इसके क्या परिणाम निकले हैं। दूसरा सवाल उन्होंने यह किया कि क्या सरकार ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क और दूरसंचार संपर्क में सुधार लाने के लिए कदम उठाए हैं ; इसी सवाल के क्रम में सांसद ने यह भी जानना चाहा कि आजकल लगभग रोज ही माओवादी काडरों के हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने की खबरे सुनने को मिल रही हैं ' इन आत्मसमर्पित माओवादियों के पुनर्वास हेतु केन्द्र सरकार की क्या योजना हैं। उपर्युक्त दोनों प्रश्नों के उत्तर का विवरण माननीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा सदन के पटल पर रखते हुए बताया गया कि देश के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों में, भारत सरकार वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य सरकारों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल उपलब्ध कराकर और भारतीय रिजर्व बटालियनों की स्वीकृति देकर सहायता प्रदान करती है। इसके अंतर्गत हेलीकॉप्टर सहायता, शिविरों की सुविधाओं की मजबूती, प्रशिक्षण, राज्य पुलिस बलों का आधुनिकीकरण, आवश्यक धन, उपकरण और हथियार उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा एजेंसियों के बीच गुप्त जानकारी साझा करना,फोटीफाइड पुलिस स्टेशनों का निर्माण करवाना आदि भी किया जाता है। दुसरे प्रश्न के उत्तर में गृह राज्य मंत्री ने जो बातें प्रमुख रूप से बतायी कि वह यह है कि उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकासात्मक उपायो के अतिरिक्त विशिष्ट पहल की गयी है। जैसे सड़क नेटवर्क के विस्तार के लिए, वामपंथी उग्रवाद से संबंधित दो विशेष योजनाओं, अर्थात सड़क आवश्यकता योजना (आरआरपी) और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (एलडब्ल्यूई) के अंतर्गत 14,978 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है। नक्सल (वामपंथी उग्रवाद) प्रभावित क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधा बढ़ाने के लिए 9,050 टावर लगाए गए हैं।

# डॉ.अमित मिश्रा का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन

**जौनपुर**। टेक्निकल यूनिवर्सिटी जर्मनी से मैरीक्यूरी फैलोशिप कर रहे डॉ.अमित कुमार मिश्रा का चयन आई आईटी भिलाई में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ है। उनके इस चयन से शुभेच्छुओं में हर्ष व्याप्त है। अमित ने स्नातक व परास्नातक की शिक्षा बीएचयू वाराणसी से हुई है। आईआईटी होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट से, पीएचडी उपाधि व पोस्टडॉक आईआईटी कानपुर से की है। वर्तमान में मैरीक्युरी रिसर्च फैलोशिप जर्मनी से कर रहे हैं। बरगांव निवासी अमित मिश्रा के पिता डॉ. रवि चंद्र मिश्रा सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, चार भाइयों में सबसे छोटे अमित मिश्रा हैं। बड़े भाई आशीष मिश्रा पीसीएस, संतोष मिश्रा इंटर कालेज में प्रवक्ता, तीसरे नम्बर के भाई डॉ. अनुपम मिश्रा राजस्थान में चिकित्सक हैं। जबकि पत्नी डॉ. पूजा दूबे चिकित्सक पद पर जौनपुर में कार्यरत हैं। डॉ. पूजा दूबे कबेली गाँव निवासी बिजली व रेलवे कांट्रैक्टर राकेश कुमार दूबे की पुत्री हैं, डॉ.अमित मिश्रा उनके दामाद हैं। उनके आवास पर आयोजित समारोह डॉ. अमित मिश्रा के चयन पर लोगो ने खुशी जाहिर की है।

# डॉ. संजीव कुमार सिंह की मां प्रभावती सिंह का 102 वर्ष की उम्र में निधन

**जौनपुर**। हरगोविंद इंटर कॉलेज जफराबाद, जौनपुर के प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह की मां प्रभावती सिंह धर्मपत्नी स्वर्गीय लालता सिंह का 102 वर्ष की उम्र में नरौली स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वे अत्यंत धार्मिक और दयालु प्रवृत्ति की महिला थी। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। आज जौनपुर स्थित रामघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे श्रवण कुमार सिंह ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर उनके पुत्र वीरेंद्र कुमार सिंह के अलावा परिवार के डॉ ओम प्रकाश सिंह, अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेंद्र सिंह, अनिल कुमार सिंह, राजकुमार सिंह, शिवशंकर सिंह समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। उनके निधन पर आज श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर तथा एलएसएस नेशनल पब्लिक स्कूल, नरौली में छुट्टी घोषित कर दी गई।

# MSEDCL ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, C.R.I. सोलर ने गर्व के साथ दिया ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान

मुंबई। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक ऐतिहासिक सफलता में, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) ने मात्र एक महीने के भीतर 45,911 सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित कर-के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि MSEDCL के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत क्रियान्वयन क्षमताओं और देश के कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। C.R.I. पंप्स के सोलर डिवीजन को इस परिवर्तनकारी सौर पहल का प्रमुख योगदानकर्ता होने पर गर्व है। महाराष्ट्र के 1,686 गाँवों में सोलर पंप स्थापित करके, C.R.I. सोलर ने हजारों किसानों को टिकाऊ जल समाधान प्रदान किए हैं। प्रत्येक स्थापना उत्कृष्ट सटीकता, अनुशासित निष्पादन और समन्वित टीमवर्क के साथ पूरी की गई जो C.R.I. की विशिष्ट क्षमताओं को दशार्ती है। यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने के C.R.I. के व्या पक मिशन से पूर्णतः मेल खाती है। कंपनी अब तक 2,10,000 से अधिक IoT-सक्षम सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित कर चुकी है और पूरे देश में 30.4 लाख BEE स्टार-रेटेड ऊर्जा-कुशल पंपों की तैनाती की है। इन पहलों के माध्यम से भारत ने 7,600 मिलियन kWh ऊर्जा की बचत की है और लगभग 6 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन को टालने में सफलता प्राप्त की है। C.R.I. के ये प्रयास समुदायों को स्मार्ट, टिकाऊ और दीर्घकालिक पंपिंग समाधान प्रदान करते हुए निरंतर सशक्त बना रहे हैं। इस उपलब्धि पर C.R.I. समूह के चेयरमैन जी. सुंदरराजन ने कहाः यह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड केवल एक असाधारण उपलब्धि नहीं है—यह राष्ट्र के गर्व का क्षण है और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम MSEDCL के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भारत को बुद्धिमान, भविष्य-उन्मुख ऊर्जा तकनीकों की ओर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।

# दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं: दिव्या शुक्ला

## रचना विशेष विद्यालय में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने बांधा समा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व दिव्यांग साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतिम दिन मंगलवार को रचना विशेष विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला रहीं। विशिष्ट अतिथि लायंस क्लब जौनपुर सूरज के अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी व सचिव राजेन्द्र खत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अनीता ने किया।

इस मौके पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिव्या शुक्ला ने विशेष बच्चों के कार्यक्रम को सराहा। उन्होंने कहाकि विभाग द्वारा दिव्यांगों को हर संभव सहयोग देना विभाग की जिम्मेदारी है। कहाकि दिव्यांग बच्चों ने जो कार्यक्रम प्रस्तुत किया है ऐसा लगता ही नहीं था कि ये बच्चे दिव्यांग हैं। ये बच्चे देश की धरोहर हैं। उन्होंने विद्यालय के सभी स्टाफ का उत्साहवर्धन करते हुए कहाकि जैसी भी सहायता इन दिव्यांग बच्चों के लिए होगी उसके लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगी। इसी क्रम में अध्यक्षता कर रही अनीता ने कहाकि आज इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह में आकर मुझे बड़ा हर्ष हो रहा है। इन बच्चों का हुनर सामान्य बच्चों से कम नहीं है। मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि ये सभी दिव्यांग बच्चे आगे बढ़कर अपने मां-बाप और विद्यालय का नाम रौशन करें। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। क्लब अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी ने दिव्यांग बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के लिए विशेष शिक्षक, अभिभावक को जागरूक होने का मूल मंत्र दिया जिससे वे अपने दैनिक जीवन के कार्यों में आत्मनिर्भर हो सकें। लायंस क्लब जौनपुर सूरज द्वारा विशेष बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कार व स्वल्पाहार वितरित किया जिससे बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। विद्यालय के दिव्यांग बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिनमें नृत्य, स्वागत गान, लघु नाटिका तथा अन्य कार्यक्रम शामिल रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों में देव साहू, हार्दिक पाण्डेय, उत्कर्ष, राजा, माही, सेजल, आसिफ, गोविन्दा, जहरा और परी बानों आदि शामिल रहे। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत आस्था व रूबी ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से किया। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रवक्ता डा. संतोष कुमार सिंह, समन्वयक सचिन यादव, पत्रकार सै. गुलाम अब्बास जैदी, प्रधानाचार्य गौतम चन्द, विशेष शिक्षक रवि रंजन, जितेन्द्र कुमार, दामिनी यादव, बबिता सिंह, नीतू यादव, नीरज कुमार तिवारी, होरेन्द्र मौर्या, लाल साहब आदि लोग शामिल रहे।

# मेडिकल कालेज के वार्षिकोत्सव प्रवाह 2025 का सम्मान समारोह सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में बहुप्रतीक्षित वार्षिक महोत्सव 2025 अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ सफलता पूर्वक 6 दिसम्बर, 2025 को सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान आयोजित विविध सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उल्लेखनीय सहभागिता दर्ज कराई। समारोह के उपरांत दिनांक 9 दिसम्बर, 2025 को आयोजित सम्मान समारोह में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो॰ आर॰बी॰ कमल ने उत्कृट प्रदर्शन करने वाले छात्रों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम कमेटी एवं स्पोर्ट कमेटी के सभी परिश्रमी सदस्यों तथा समारोह के नोडल अधिकारी को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मेडल एवं ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस महोत्सव ने छात्रों की प्रतिभा, अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना को नए रूप में स्थापित किया हैं आयोजन समिति एवं सभी सहयोगी सदस्यों ने जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है, वह प्रशंसनीय है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की नोडल डॉ पूजा पाठक, स्पोर्ट कमेटी के नोडल डॉ .आदर्श यादव, प्रवाह 2025 के नोडल डॉ मुदित चौहान द्वारा सम्मान समारोह पर सभी अतिथियों, समितियों, सहभागियों एवं समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया इस वर्ष के वार्षिक महोत्सव का सफल आयोजन वेंकटेश ग्रुप के हीरो, हुंडई तथा कल्याण ज्वेलर्स के उदार सहयोग से सम्भव हो पाया। प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम के मुख्य स्पॉन्सर्स का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ‌‌‌उनके सहयोग ने इस महोत्सव को और भव्य, सुव्यवस्थित तथा यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ किया गया। अंत में महाविद्यालय परिवार ने सभी विजेताओं, भागीदारी करने वाले छात्रों तथा सहयोगी संस्थाओं को हार्दिक बधाई दी और भविष्य में इस महोत्सव को और अधिक व्यापक एवं समृद्ध बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रो॰ आशीष यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो॰ ए॰ए॰ जाफरी, स्पोर्ट कमेटी अध्यक्ष, प्रो॰ उमेश कुमार सरोज, प्रवाह 2025 नोडल- डा॰ मुदित चौहान एवं डा॰ पूजा पाठक, स्पोर्ट नोडल-डा॰ आदर्श यादव, डा॰ विनोद कुमार, डा॰ सी॰बी॰एस॰ कर्नल पटेल, डा॰ अनुज सिंह, डा॰ चन्द्रभान, डा॰ आशुतोष सिंह, डा॰ नवीन सिंह, डा॰ संजीव यादव, डा॰ पंकज एवं एम॰बी॰बी॰एस॰ व पैरामेडिकल छात्र/छात्राएं तथा कर्मचारी उपस्थित रहें।

# मुख्यमंत्री ने विधायक राजन नाइक के कार्यों पर आधारित कैलेंडर किया जारी

नागपुर। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में वर्षभर किए गए विकास कार्यों का विवरण अब एक विशेष कैलेंडर के रूप में हर घर तक पहुंचेगा। नालासोपारा के विधायक राजन नाइक द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और निपटाए गए लंबित मुद्दों पर आधारित 2026 का कैलेंडर आज नागपुर स्थित विधान भवन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा जारी किया गया। कैलेंडर की खास बात यह है कि इसमें दिए गए दफकोड के माध्यम से जनता को विधायक द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी आसानी से उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और राज्य की ग्रैंड अलायंस सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी भी इस कैलेंडर के माध्यम से नालासोपारा क्षेत्र के नागरिकों तक पहुंच सकेगी। विधायक राजन नाइक ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई है। वर्षभर में उन्होंने 58 स्टार प्रश्न, 15 विशेष सुझाव, और आधे घंटे की चर्चाओं में 10 बार भागीदारी दर्ज की, साथ ही दो महत्वपूर्ण मुद्दे भी विधानसभा में उठाए।

क्षेत्र में कई वर्षों से लंबित पड़े अहम कार्यों को आगे बढ़ाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसमें अछोले में अस्पताल के लिए मुफ्त जमीन का प्रावधान, रेलवे लाइन पर चार नए फ्लाईओवर, रेलवे फ्लाईओवर के लिए टटफळ्ळ से 800 करोड़ रुपये की निधि मंजूर, ज़िला परिषद के अधीन आने वाले प्राथमिक विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को हस्तांतरित करने की मंजूरी, वसई तालुका को अतिरिक्त प्रशासनिक सुविधाएं। इसके अलावा, विभिन्न विभागों के माध्यम से कई विकास परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है, जिनका पूरा ब्यौरा इस कैलेंडर में शामिल किया गया है। यह कैलेंडर नालासोपारा के नागरिकों को क्षेत्र की प्रगति और जनप्रतिनिधि के कार्यों से रूबरू कराने का एक व्यापक माध्यम साबित होगा।

# ज्वेलर की दुकान में चाकू से हमला, व्यापारी वर्ग में दहशत

वसई। वसई पूर्व (वालिव), जय नगर में सोमवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब अंबिका ज्वेलर्स के मालिक कालू सिंह पर एक अज्ञात हमलावर ने दुकान के भीतर घुसकर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कालू सिंह को तुरंत नजदीकी एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चौंकाने वाली बात यह रही कि हमलावर बिना किसी लूटपाट के मौके से फरार हो गया, जिससे घटना के पीछे का मकसद संदिग्ध माना जा रहा है। सूचना मिलते ही वालिव पुलिस, क्राइम ब्रांच और DCP पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी घटना स्थल पर पहुँचे। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। अधिकारियों का दावा है कि आरोपी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। इस घटना से स्थानीय व्यापारियों और ज्वेलरी कारो-बारियों में दहशत का माहौल है।

# 50 प्रतिशत अनुदान पर लगाये पाली हाउस होगी बम्पर कमाइ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि पाली हाउस खेती एक आधुनिक कृषि तकनीक है यह एक नियत्रित वातावरण प्रदान करता है जो किसानो को प्रतिकूल मौसम की बीमारियों से बचाता है इस तकनीक से खुले खेत की तुलना मे उत्पादन तीन से चार गुना या इससे अधिक हो सकता है बे-मौसम सब्जियों और फूलो के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन कर अधिक आय अर्जित करने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत संरक्षित खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को पाली हाउस/शेडनेट हाउस लगाने पर 50 प्रतिशत तक अनुदान उद्यान विभाग द्वारा प्रदान किया जा रहा है। पाली हाउस मे बे-मौसम हाई वैल्यू सब्जिया, रंगीन शिमला मिर्च (लाल, पीला) खीरा तथा पुष्प जरवेरा व गुलाब की खेती कर किसान प्रति एकड 10 से 12 लाख रू0 वार्षिक शुद्व लाभ प्राप्त कर सकते है, योजना के तहत प्रत्येक कृषक 500 वर्गमीटर से 4000 वर्गमीटर तक आवेदन कर सकता है निर्माण पर लागत का 50 प्रतिशत अनुदान की सुविधा उपलब्ध है, निर्माण हेतु कृषक के पास 25 प्रतिशत स्वंय की धनराशि होनी चाहिए शेष धनराशि बैक से ऋण के माध्यम से लिया जा सकता है। आवेदन हेतु कृषक खसरा, खतौनी, आधारकार्ड, बैक पासबुक, की फोटो कापी एवं दो फोटो आवश्यक है, निदेशालय द्वारा अधिकृत कम्पनियों से निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर जिला उद्यान अधिकारी, कार्यालय मे जमा किया जा सकता है विस्तृत जानकारी हेतु जिला उद्यान अधिकारी के मोबाइल न0 9793141882 अथवा योजना प्रभारी के मोबाइल नम्बर 8840121592 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण संबंधित बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण को विधानसभावार डिजिटाइजेशन कार्यों की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्रदान की गई। बदलापुर में 85 प्रतिशत से अधिक, शाहगंज में 84 प्रतिशत से अधिक, जौनपुर में 74 से अधिक, मल्हनी में 83 प्रतिशत से अधिक, मुंगराबादशाहपुर में 82 प्रतिशत से अधिक मछली शहर में 82 प्रतिशत से अधिक, मडियाहू में 83% से अधिक, जाफराबाद में 80% से अधिक और केराकत में लगभग 84 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार जनपद में लगभग 82 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने यह बताया कि विधानसभा क्षेत्र में अपेक्षाकृत प्रगति कम है वहां संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इन क्षेत्रों में कार्य की गति बढ़ाई जाए जिससे समयबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन के कार्य को पूर्ण किया जा सके। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि खराब प्रगति वाले बूथों की सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण को उपलब्ध कराई जाए जिससे वे गणना प्रपत्र भरने एवं जागरूकता बढ़ाने में सहयोग प्रदान कर सकें। इस अवसर पर बीजेपी से डॉ0 अजय कुमार सिंह, अजीत प्रजापति, सपा से राकेश मौर्य, बीएसपी से चंद्रेज भारती, सीपीआईएम से राजेश पटेल, अपनादल (एस) से जय प्रकाश पटेल, कांग्रेस से फैयाज हाशमी, आप से राम रतन विश्वकर्मा, कांग्रेस पार्टी से मो0 आरिफ खान, अली अंसारी, मो0 ताहिर, बीजेपी से स्कंद पटेल, सुदर्शन सिंह, विजय कुमार पटेल, के के विश्वकर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयवर चौहान, जॉइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह समस्त ईआरओ सहित अन्य अधिकारी और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

# डाक्टर अरूण कुमार कन्नौजिया नें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का फीता काट कर किया शुभारम्भ

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पर मंगलवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्साधीक्षक डाक्टर अरुण कुमार कन्नौजिया ने फीता काटकर किया। शिविर में लोगों को मानसिक रोगों के प्रति सचेत रहने, मरीजों की देखभाल व समय पर इलाज कराने के लिए जागरूक किया गया। जानकारी देते हुवे पत्रकार मोहम्मद असलम खॉन को बताया गया कि शिविर में पहुंचे 378 मरीजों का पंजीकरण कर उनके लक्षणों, जांचों के साथ उनका उपचार किया गया। इस बाबत चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर अरुण कुमार कन्नौजिया ने उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए कहा कि मानसिक रोगों के लक्षण जैसे नींद ना आना, चिंता, घबराहट, तनाव आदि सामान्य लक्षण हैं। इनका समय पर उपचार कराना अत्यंत जरूरी है। जिले से आए डाक्टर दिलीप चौरसिया, डाक्टर राम प्रकाश, डाक्टर विकास कुमार सिंह व डाक्टर पंकज वर्मा ने शिविर आए मरीजों का उपचार कर दवा वितरण किया। इस अवसर पर डाक्टर श्रुति कीर्ति श्रीवास्तव, डाक्टर शकील अहमद स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी गुंजन कुमार के साथ समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

# जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनों को किया ट्राईसाइकिल वितरण, समस्याओं पर दिखाई संवेदनशीलता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने जनसुनवाई के दौरान उठी दिव्यांगजनों की समस्याओं पर संवेदनशील रुख अपनाते हुए उन्हें त्वरित राहत उपलब्ध कराई। विकास खंड बक्सा क्षेत्र से आए राज विष्णु नारायण, सोमारू सहित अन्य दिव्यांगजनों ने गत दिनों जनसुनवाई में ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराए जाने की मांग की थी, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को जांच कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा राज विष्णु नारायण (बक्सा), सोमारू पुत्र रामदीन (शाहगंज) तथा विकास पुत्र भोलनाथ (खुटहन) को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला द्वारा नौ अन्य दिव्यांगजनों को भी ट्राईसाइकिल वितरित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे समाज में सम्मानपूर्वक और समान रूप से जीवन यापन कर सकें। उन्होंने सभी लाभार्थियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# मूक नाटक दहेज का शानदार मंचन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। दहेज एक ऐसा पुराना-सा थका-सा विषय जिसपर न जाने कब से लिखा और बोला जा रहा है पर समाज तो जैसे बहरा-सा हो गया है। इन उपस्थितियों में केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कृत अंतर्राष्ट्रीय माईम कलाकार गोहाटी से मोईनुल हक ने बहरों को सुनाने के लिये एक कहानी की माईम में अवधारणा की और उसे अभिनव, प्रयागराज के कलाकार सर्वेश प्रजापति ने अपने सहयोगी आदित्य सिंह के साथ मिलकर सरस्वती शिशु विद्या निकेतन, कटघर के संयुक्त तत्वाधान में अपने निर्देशन में बीस बच्चों को लगभग 20 दिन के माईम प्रशिक्षण के बाद विद्यालय प्रांगण में एक घंटे की नाटिका दहेज की सफल प्रस्तुति दी। नाटिका में बडे ही मनोरंजक ढंग से पंडित जी वर फोटो दिखा के वधु पक्ष के लोगों को संतुष्ट करते हैं। फिर बारात प्रेक्षागृह के मध्य से निकलते हुए वधु पक्ष के निवास पर पहुँचती है, वहां फेरों से पहले वर पक्ष भारी दहेज की मांग रखते हुए बारात वापस ले जाने को उद्यत होते हैं कि तभी वर और वधु आँखो आँखो में एक दूसरे को सहमत कर विवाह के फेरे ले लेते हैं और थक-हार के वर पक्ष के लोग भी विवाह में शामिल हो जाते हैं। मूक अभिनय वाले इस नाटक से प्रेक्षागृह में बैठे दर्शको ने हर सीन में भरपूर मनोरंजन लिया और तालियां बजायी और वहीं यह संदेश भी लेके लौटे कि यदि आज के युवजन स्वयं दहेज लेने से इन्कार कर दें तो दहेज समस्या का निदान काफी हद तक सम्भव है। महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि सुशील राय, विशिष्ट अतिथियों में दीपक शर्मा एवं प्रसिद्ध कलाकार रवीद्र कुशवाहा ने बाल कलाकारों के मूक अभिनव की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए बताया कि दहेज समस्या पूरे देश में दैत्य की तरह विकराल होता जा रहा है समाज को इस बुराई से बचना चाहिए ।

# मीरा भायंदर के इंद्रलोक फेज 6 में लगी आग पर अग्निशमन विभाग ने पाया काबू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका अंतर्गत भायंदर (पूर्व) क्षेत्र के सामने, कस्तूरी हाइट्स, इंद्रलोक फेज 6, आर. बी. के. स्कूल में लगी आग पर अग्निशमन विभाग ने काबू पा लिया है।

इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट यह है कि मीरा भायंदर महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग के कनकिया फायर स्टेशन को 09/12/2025 को सुबह 11:30 बजे कॉल आया और कस्तूरी हाइट्स, इंद्रलोक फेज 6, आर. बी. के. स्कूल, भायंदर (पूर्व) में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही उक्त वर्दी में कनकिया अग्निशमन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दमकल वाहन क्रमांक टल्ल 04 अ ठ 3956 में घटनास्थल के लिए रवाना हुए और ठीक 11:34 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। यह देखा गया कि उक्त आग कस्तूरी हाइट्स इमारत के इलेक्ट्रिक डक्ट में शुरू हुई थी। तुरंत, अग्निशमन विभाग ने दमकल की गाड़ियों की मदद से उक्त आग पर एक नली लाइन डालकर आग बुझाना शुरू कर दिया कल्पना चावला फायर स्टेशन, सिल्वर पार्क फायर स्टेशन और नवघर फायर स्टेशन - तीनों फायर स्टेशनों के अधिकारियों और कर्मचारियों को दमकल गाड़ियों के साथ बुलाया गया। उस बिल्डिंग में अडानी इलेक्ट्रिसिटी के कर्मचारियों को बुलाया गया और बिजली की आपूर्ति तुरंत काट दी गई, जबकि महानगर गैस के कर्मचारियों को भी बुलाया गया और वहां की गैस पाइप लाइन को भी तुरंत बंद कर दिया गया। आग की बढ़ती हुई सीमा और उत्पन्न धुएं के कारण, बिल्डिंग में मौजूद लगभग 215 लोगों को तुरंत बिल्डिंग से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बिल्डिंग को तहस-नहस कर दिया गया। लगभग 15 से 20 मिनट में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया और अग्निशमन विभाग आग को पूरी तरह से बुझाने में सफल रहा। बिल्डिंग के निवासी, 1) हिमांश दुर्गाधर भट, उम्र 2.5 वर्ष, 2) प्रियंका सिंह, 3) अर्पण सिंह, 4) वैभव सिंह, 5) चंद्रिका देवी सिंह, 6) पाल परिवार, को क्रमशः शालोम अस्पताल, पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल और भक्तिवेदांत अस्पताल में भर्ती कराया गया है इसके अलावा, इमारत में 12 मंज़िला हैं और कुल 72 फ्लैट उपलब्ध हैं। फ्लैट आग से पूरी तरह सुरक्षित हैं। साथ ही, घटनास्थल पर कोई जनहानि नहीं हुई, इसलिए अग्निशमन विभाग घटनास्थल पर संभावित खतरे को टालने में सफल रहा है। एन 3953 जे स्वर्गीय कल्पना चावला फायर स्टेशन वाहन क्रमांक एमएच 04 एल ई 0938. गोरखा वाइन, डो. टी. एल. वाहन क्रमांक एमएच 04 ई 6868, अग्निशमन विभाग की कुल 06 दमकल गाड़ियां, 9 अग्निशमन अधिकारी और 20 अग्निशमन कर्मचारी काम कर रहे थे। साथ ही नाचघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके अधीनस्थ पुलिस कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद थे। साथ ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी उक्त आग की वर्दी में मौजूद थे। और उनके मार्गदर्शन में आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया। उक्त घटनास्थल पर आग लगने की जानकारी समय-समय पर माननीय वरिष्ठों को दी गई है। उक्त घटनास्थल पर आग बुझा दी गई है और वहां की स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है। माननीय आयुक्त श्री राधाबिनोद शर्मा ने घटना की जानकारी ली थी और आग पर तुरंत नियंत्रण पाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया था।

# एक दूजे के हुए दिव्य और धियान : सात जन्मों के बंधन में गूंजी बनारस की शहनाई

वाराणसी। जब प्रेम अपनी पराकाष्ठा पर पहुंचकर परंपरा से गले मिलता है, तब दृश्य सिर्फ विवाह नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है। रविवार की शाम ऐसा ही मनोहारी दृश्य उदयपुर स्थित होटल लॉन में देखने को मिला, जब रुपेश ब्रदर्स के डायरेक्टर, हरदिलअजीज और जन-जन के साथी रुपेश बरनवाल के सुपुत्र दिव्य बरनवाल और इंडोनेशिया की स्नेहमयी धियान ने सात फेरे लेकर जीवन-यात्रा का शुभारंभ किया। यह शादी केवल दो दिलों का मिलन नहीं, बल्कि दो देशों की संस्कृति का संगम भी बनी।

लॉन परिसर में बनारसी आभा से सजा माहौल ऐसा लगता था मानो काशी की आत्मा विवाह-रात्रि को अपनी अनोखी मधुरता दे रही हो। दूल्हा-दुल्हन के चेहरे पर चमकती मुस्कान, परिवार के सदस्यों का उत्साह और मेहमानों की रौनक, सब मिलकर इस समारोह को अविस्मरणीय बना रहे थे। बारात के आगमन के साथ ही उत्सव ने अपना चरम छू लिया। शहनाई की मधुर धुनें और बैंड-बाजे की गूंज जैसे बनारस की सभ्यता, संस्कृति और संगीत परंपरा को जीवंत कर रही थीं। बैंड की ताल पर हर कोई थिरकता नजर आ रहा था। बनारसी पगड़ी, शेरवानी और पारंपरिक पोशाकों में सजे युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, हर किसी के चेहरे पर खुशी का अल्हड़पन साफ झलक रहा था। देखते ही देखते बारात की यह झलक सोशल मीडिया की दीवारों पर छा गई। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर वीडियो और तस्वीरें ट्रेंड करने लगीं और लाखों, करोड़ों फॉलोवर्स ने दूल्हा-दुल्हन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भव्य थीम पर सजे मंच पर दिव्य और धियान ने जब एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली, तो पल मानो थम-सा गया। वैदिक मंत्रोच्चार की पवित्रता ने वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया। अग्नि के समक्ष सात फेरे लेते समय दोनों के चेहरे पर जीवन के सबसे पावन वचन लिखे जा रहे थे। यह वो क्षण था जिसे मो बाइल कैमरों ने कैद किया और दिलों ने महसूस किया। शादी में भदोही, वाराणसी, दिल्ली, मुंबई से लेकर सात समुंदर पार के कई नामचीन मेहमान मौजूद थे। उद्योग जगत, राजनीति, समाजसेवा और कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज इस विवाह समारोह के साक्षी बने। रुपेश बरनवाल, जो भदोही के प्रमुख कालीन उद्योगपति और एक्सपोर्टर के रूप में जाने जाते हैं, हमेशा से गरीब बुनकरों और मजदूर परिवारों के बीच त्योहार मनाने, सहयोग करने और खुशियां बांटने के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। उनकी विनम्रता और सामाजिक जुड़ाव ही इस विवाह समारोह में उमड़ी भीड़ की आत्मीयता का सबसे बड़ा प्रमाण थे।

सोमवार की शाम इसी लॉन में आयोजित रिसेप्शन ने उत्सव को और भी भव्य बना दिया। रोशनी से जगमगाते परिसर में मेहमानों ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया। मंत्री, विधायक, उद्योगपति और समाज के हर वर्ग से जुड़े लोग इस खुशी में शामिल हुए। दिव्य और धियान का यह शुभ मिलन न केवल दो परिवारों का संगम है, बल्कि संस्कृतियों की अनूठी एकता का प्रतीक भी है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में संकल्पित यह बंधन आने वाले वर्षों में प्रेम, सहयोग और समृद्धि की नई कहानी रचे, यही हर किसी की दिली दुआ रही।